TNF TODAY

# टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | आगरा कॉलेज में 'युवा संवाद' का भव्य आयोजन... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | गुरूवार | दिनांक- 05.11.2026

## चुनाव आयुक्तों को आजीवन छूट के खिलाफ याचिका: सुप्रीम कोर्ट का केंद्र-चुनाव आयोग को नोटिस

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव आयुक्तों को आजीवन मिलने वाली कानूनी छूट को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। 2023 की धारा 16 के तहत मुख्य निर्वाचन आयुक्त (उएउ) और अन्य चुनाव आयुक्तों को अपने सरकारी कामकाज के दौरान किए गए फैसलों के लिए आपराधिक मुकदमों से आजीवन कानूनी सुरक्षा दी गई है। याचिका में धारा 16 पर सवाल उठाया गया है कि क्या चुनाव आयुक्तों को इस तरह कानूनी कार्रवाई से छूट देना संविधान के अनुरूप है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. महादेवन की पीठ ने यह नोटिस जारी किया। याचिका सामाजिक कार्यकर्ता और वकील अरुण कुमार अग्रवाल ने दायर की है।

**धारा 16 क्या है, इस पर विवाद क्यों**

कोई अदालत मुख्य निर्वाचन आयुक्त या चुनाव आयुक्त के खिलाफ उनके आधिकारिक काम से जुड़े मामले में दीवानी या आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं कर सकती।
यदि ऐसी कार्यवाही पहले से चल रही है, तो अदालत उसे आगे भी जारी नहीं रख सकती।
यह सुरक्षा सिर्फ पद पर रहते हुए नहीं, बल्कि पद छोड़ने के बाद भी लागू रहती है। यह संरक्षण उन कामों पर लागू है जो अधिकारी ने चुनाव आयुक्त के पद पर रहते के दौरान किए हैं।

## अयोध्या में आज से पांच दिवसीय दीपोत्सव का शंखनाद

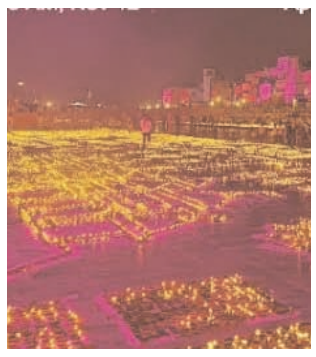
### जगमगाएंगे 56 घाट, पांच देशों की 'मंडलियां' करेंगी मंचन

एजेंसी, अयोध्या।

रामनगरी की देहरी पर दीपों का महापर्व दस्तक दे चुका है। सरयू की लहरों से लेकर श्रीराम जन्मभूमि परिसर तक आस्था, उल्लास और उत्सव की रोशनी बिखरने को तैयार है।

मंदिरों की नगरी सज-धजकर दीपोत्सव के स्वागत में खड़ी है। बृहस्पतिवार से पांच दिवसीय दीपोत्सव का शंखनाद होगा। अगले पांच दिनों तक अयोध्या केवल दीपों से ही नहीं, बल्कि रामकथा, लोक संस्कृति, संगीत, नृत्य और आधुनिक तकनीक के अद्भुत संगम से आलोकित होगी।

इस बार दीपोत्सव का वैभव अंतरराष्ट्रीय रंगों में भी नजर आएगा। पांच देशों की रामलीला मंडलियां प्रभु श्रीराम के जीवन प्रसंगों का मंचन करेंगी। अलग-अलग देशों की



रामलीला में रामकथा के विविध स्वरूप देखने को मिलेंगे।

वहीं देश के विभिन्न राज्यों के कलाकार अपनी लोक परंपराओं, वेशभूषा, नृत्य और संगीत के जरिये सांस्कृतिक भारत की झलक प्रस्तुत करेंगे। रामनगरी की गलियों और आयोजन स्थलों पर उत्सव का रंग गहराने लगा है।

**सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन शुरू होगा**

दीपोत्सव को भव्य और अविस्मरणीय बनाने के लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। राम की पैड़ी के 56 घाटों पर 30 लाख दीप सजाने की तैयारी है। घाटों पर दीप पहुंच चुके हैं और उन्हें करीने से बिछाने का काम शुरू हो रहा है। सात नवंबर को दीपोत्सव का मुख्य आयोजन होगा। राम की पैड़ी पर दीपों की कतारें जब एक साथ प्रज्ज्वलित होंगी तो सरयू का तट स्वर्णिम आभा से नहा उठेगा। घाटों पर दीप सजाने के लिए बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और कर्मचारी जुटे हैं। बृहस्पतिवार से लेजर शो, प्राजेक्शन मैपिंग और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन शुरू हो जाएगा।

**राम मंदिर भी सज-धजकर तैयार**

श्रीराम जन्मभूमि परिसर भी दीपोत्सव की रोशनी से जगमगाएगा। मंदिर परिसर के पांच जोन में करीब एक लाख दीप प्रज्ज्वलित किए जाने की तैयारी है। परिसर के मंदिरों और प्रमुख स्थलों को भी आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। दूसरी ओर रामकथा पार्क सहित प्रमुख आयोजन स्थलों पर मंच, दर्शक दीर्घा, प्रकाश व्यवस्था और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

दीपोत्सव के प्रमुख आकर्षण -30 लाख दीपों का प्रज्ज्वलन
शोभायात्रा में 22 झांकियां
2100 स्वदेशी ड्रोन का भव्य आकाशीय शो
30 प्राजेक्शन एवं लेजर शो
रामायण के सात कांडों पर आधारित भव्य शोभायात्रा
2147 श्रद्धालुओं की ओर से एक साथ सरयू महाआरती
पांच देशों की रामलीला का मंचन
12 मंचों पर 2500 कलाकारों की ओर से प्रस्तुति
पर्यावरण-अनुकूल हरित आतिशबाजी
35,000 स्वयंसेवकों की विशाल भागीदारी
डिजिटल सहभागिता (रील एवं पेंटिंग प्रतियोगिता)
13 थीमेटिक प्रवेश द्वार व 20 सेल्फी प्वाइंट

## अखिलेश यादव चुनाव लड़ने से डर रहे हैं, हिम्मत है तो किसी एक सीट से लड़कर दिखाएं: राजभर

एजेंसी, लखनऊ।



कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में किसी सीट से चुनाव नहीं लड़ने की चर्चा है। नेता वह नहीं होता जो चुनाव से भागे। उनमें हिम्मत है तो किसी एक सीट से चुनाव लड़कर दिखाएं।

राजभर ने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव टोना-टोटका मानते हैं। बिना चुनाव लड़े मुख्यमंत्री बन जाना उनके लिए किसी टोना-टोटका से कम नहीं था। वह रेडीमेड पार्टी के रेडीमेड शहजादे होने के कारण मुख्यमंत्री बने थे। अब उन्हें लग रहा है कि चुनाव लड़ने पर हार तय है, इसलिए मैदान छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने 10 साल पहले ही टोना-टोटका मानने वाली सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया था। आज प्रदेश से भूत-प्रेत और टोना-टोटका सब खत्म कर दिए गए हैं। राजभर ने तंज कसा कि अखिलेश एक बार मुख्यमंत्री बन पाए हैं और आगे मुख्यमंत्री बनने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने अखिलेश को काशी जाकर बाबा विश्वनाथ और काल भैरव के दर्शन करने की नसीहत भी दी।

### खनिजों पर पीएम मोदी का बड़ा दांव

# 'भारत को दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए'

एजेंसी, लखनऊ।

इलेक्ट्रिक गाड़ियां, मोबाइल, बैटरी और रक्षा उपकरणों का भविष्य उन खनिजों पर निर्भर है, जिनकी जरूरत तेजी से बढ़ रही है। इनमें लिथियम, निकेल और कोबाल्ट जैसे खनिज सबसे अहम हैं। भारत में इन खनिजों की जरूरत तो बढ़ रही है, लेकिन इन्हें साफ करके उपयोग लायक बनाने के लिए देश अब भी दूसरे देशों पर काफी निर्भर है। ऐसे में सवाल है कि क्या भारत भविष्य की तकनीक के लिए जरूरी संसाधनों के मामले में आत्मनिर्भर बन पाएगा? केंद्र सरकार ने इसी दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए 2,814 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। इसका नाम ह्यमहत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत सहायता योजनाह्न रखा गया है। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच साल के लिए लागू होगी। इसके तहत देश में लिथियम और निकेल के प्रसंस्करण के लिए चार संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

सरकार का मकसद इन खनिजों को देश में ही साफ करके उच्च गुणवत्ता वाले पदार्थों में बदलना है,



ताकि आयात पर निर्भरता घटे और भारत भविष्य की तकनीक बनाने की अपनी क्षमता बढ़ा सके।

**भारत को लिथियम, निकेल और कोबाल्ट की जरूरत क्यों है?**

लिथियम, निकेल और कोबाल्ट ऐसे खनिज हैं, जिनका इस्तेमाल कई आधुनिक तकनीकों में होता है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी बनाने में इनकी अहम भूमिका है। इसके अलावा मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, ऊर्जा भंडारण प्रणाली, रक्षा क्षेत्र और विशेष प्रकार के इस्पात के निर्माण में भी इनकी जरूरत पड़ती है। आने वाले समय में इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी की मांग बढ़ने के साथ इन खनिजों का महत्व भी बढ़ेगा। फिलहाल भारत में इनका प्रसंस्करण करने की क्षमता सीमित है।

कच्चे खनिजों को उपयोग लायक बनाने के लिए जरूरी तकनीक, बड़ी पूंजी और कच्चे माल की उपलब्धता भी चुनौती बनी हुई है। इसलिए सरकार देश के भीतर ही प्रसंस्करण की पूरी व्यवस्था विकसित करना चाहती है।

**योजना के तहत कितने संयंत्र लगाए जाएंगे और कितनी मिलेगी मदद?**

इस योजना के तहत कुल चार प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इनमें दो संयंत्र लिथियम और दो निकेल के लिए होंगे। प्रत्येक लिथियम संयंत्र की न्यूनतम क्षमता 30 हजार टन और प्रत्येक निकेल संयंत्र की न्यूनतम क्षमता 50 हजार टन रखी गई है। सरकार पात्र निवेश पर 30 प्रतिशत पूंजीगत सब्सिडी देगी। हालांकि, लिथियम संयंत्र लगाने वाले प्रत्येक लाभार्थी को अधिकतम 500 करोड़ रुपये और निकेल संयंत्र लगाने वाले प्रत्येक लाभार्थी को अधिकतम 900 करोड़ रुपये की सहायता ही मिलेगी। इस तरह सरकार निजी निवेश को प्रोत्साहित कर-के देश में प्रसंस्करण की नई क्षमता तैयार करना चाहती है।

**कंपनियों का चयन कैसे होगा और पैसा कब मिलेगा?**

योजना के तहत कंपनियों का चयन दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में आवेदन करने वाली कंपनियों की तकनीकी क्षमता की जांच होगी। इसमें सफल होने वाली कंपनियां ही दूसरे चरण में वित्तीय बोली लगा सकेंगी। प्रत्येक खनिज के लिए दो कंपनियों का चयन किया जाएगा। चयन में उस कंपनी को प्राथमिकता मिलेगी, जो सरकार से सबसे कम पूंजीगत सहायता मांगते हुए संयंत्र स्थापित करने की पेशकश करेगी। सहायता की रकम एक साथ नहीं दी जाएगी। इसे तय किए गए काम और लक्ष्यों को पूरा करने के आधार पर तीन किस्तों में जारी किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित करने की कोशिश होगी कि सरकारी सहायता का इस्तेमाल वास्तव में संयंत्र लगाने और उन्हें चालू करने में हो।

**क्या इससे भारत की आयात पर निर्भरता और रणनीतिक जोखिम घटेंगे?**

फिलहाल महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण का काम दुनिया के कुछ ही देशों और क्षेत्रों में केंद्रित है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय तनाव, कीमतों में उतार-चढ़ाव या किसी देश की ओर से आपूर्ति रोकने का असर भारत पर भी पड़ सकता है। सरकार के मुताबिक, इस निर्भरता से देश की आर्थिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य प्रभावित हो सकते हैं। नई योजना से भारत में खनिजों का मूल्य बढ़ाने, आयात का विकल्प तैयार करने और आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है। निकेल के प्रसंस्करण के दौरान कोबाल्ट को भी उप-उत्पाद के रूप में प्राप्त किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि भारत भविष्य की तकनीक के लिए जरूरी क्षमताएं खुद विकसित करे, न कि इसके लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहे। यह योजना आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

## मुश्किलों में घिरे सीईसी ज्ञानेश कुमार: 20 साल पुराने केस में जांच को मंजूरी

**नई दिल्ली।** मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। केरलम में उनके खिलाफ करीब 20 साल पुराने कथित रिश्वत मामले की जांच का रास्ता खुल गया है। राज्य सरकार ने पूर्व लोक निर्माण विभाग (पीडबल्यूडी) सचिव रहे ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो (श्अउइ) को मंजूरी दे दी है। आरोप है कि साल 2006 में केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत सड़क निर्माण का काम पूरा होने के बाद भुगतान जारी करने के बदले 2 करोड़ की रिश्वत मांगी गई थी। दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान मंत्री रमेश चेन्निथला ने कहा कि उन्होंने एक दिन पहले ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जांच की अनुमति दी है। उनके अनुसार, पूर्व पीडबल्यूडी सचिव के खिलाफ कई तरह के आरोप लगाए गए थे, जिन्हें लेकर विजिलेंस विभाग जांच करना चाहता था।
चेन्निथला ने बताया कि जब विजिलेंस ने सरकार से औपचारिक मंजूरी मांगी, तब इस मामले में कानूनी राय ली गई। कानूनी सलाह में स्पष्ट किया गया कि शिकायतकर्ता की ओर से लगाए गए आरोपों और कथित कदाचार की जांच विजिलेंस विभाग कर सकता है। इसी कानूनी राय के आधार पर उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17A के तहत जांच की मंजूरी प्रदान की।
इस पूरे विवाद की जड़ केरलम में सड़क निर्माण से जुड़ी एक परियोजना है। उस समय ज्ञानेश कुमार राज्य के लोक निर्माण विभाग के सचिव थे। केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत मेन सेंट्रल रोड के एक बड़े हिस्से के निर्माण और सुधार का काम भारत-मलेशिया के संयुक्त उपक्रम PATI-BEL को दिया गया था। कोल्लम के ठेकेदार साजन का आरोप है कि परियोजना का काम पूरा होने के बाद कंपनी के करीब 17 करोड़ के बिल इंजीनियरों ने मंजूर कर दिए थे, लेकिन भुगतान के चेक जारी नहीं किए जा रहे थे।

# अब 4 नहीं, 6 साल नौकरी करेंगे अग्निवीर

### 3.18 लाख अग्निवीरों का कार्यकाल 2 साल बढ़ा, 25 प्रति. पहले जैसे परमानेंट होंगे

एजेंसी, नई दिल्ली।

अग्निवीर अब चार की बजाय छह साल तक सेना में नौकरी कर सकेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बुधवार को दो साल का सेवा विस्तार देने का ऐलान किया। इसका फायदा उन 75% अग्निवीरों को मिलेगा, जिन्हें पहले चार साल बाद सेवा छोड़नी पड़ती थी।

अभी हर बैच के 25% अग्निवीरों को चार साल बाद मेरिट के आधार पर नियमित सेना में शामिल किया जाता है। बाकी 75% को सेवा से बाहर होना पड़ता है। नए नियम में 25% अग्निवीरों को नियमित करने का पुराना नियम जारी रहेगा।

बाकी 75% को उनकी सहमति से दो साल और नौकरी करने का मौका मिलेगा। इस दौरान उन्हें बढ़ी हुई सैलरी और भत्ते भी मिलेंगे।

छह साल बाद भी सेना में नौकरी करने के इच्छुक अग्निवीरों को चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। फिलहाल तीनों सेनाओं में करीब 3.18 लाख अग्निवीर सेवा दे रहे हैं।

इस फैसले से उन हजारों युवाओं को राहत मिलने की उम्मीद है, जिनका चार साल का कार्यकाल जल्द पूरा होने वाला था। आइए जानते हैं कि नई व्यवस्था में अग्निवीरों के लिए क्या बदलाव किए गए हैं। किन अग्निवीरों को मिलेगा दो साल का एक्सटेंशन?



अग्निपथ योजना के मौजूदा प्रावधान के तहत चार साल की सेवा पूरी होने के बाद अधिकतम 25 प्रतिशत अग्निवीरों को नियमित कैडर में शामिल किया जा सकता है। बाकी 75 प्रतिशत जवानों को सेवा से मुक्त किया जाना था।

नई व्यवस्था के विवरण के मुताबिक, अब नियमित सेवा के लिए चयनित नहीं होने वाले अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल मिलेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि 100 युवा अग्निवीर के रूप में भर्ती होते हैं तो चार साल बाद 25 को नियमित सैनिक बनाया जाएगा और शेष 75 को दो साल और सेवा करने का मौका मिलेगा। दो साल बाद क्या फिर मिलेगा पक्की नौकरी का मौका? सेवा विस्तार के बाद भी अग्निवीरों के लिए नियमित सैनिक बनने का रास्ता खुला रहने की बात कही गई है। उऋ के मुताबिक, अतिरिक्त दो साल की सेवा पूरी करने के बाद इच्छुक अग्निवीरों को उनके प्रदर्शन और मूल्यांकन के आधार पर चयन प्रक्रिया में शामिल किया जा सकता है।

हालांकि, 75 प्रतिशत अग्निवीरों में से कितने जवानों को नियमित सेवा में शामिल किया जाएगा, इसका स्पष्ट आंकड़ा सामने नहीं आया है। चयन निर्धारित मानकों और प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। क्या बढ़ेगी अग्निवीरों की सैलरी? सेवा विस्तार पाने वाले अग्निवीरों के लिए वेतन और भत्तों में बढ़ोतरी की जानकारी दी गई है। यानी दो साल अतिरिक्त सेवा करने वाले जवानों को पहले की तुलना में बेहतर आर्थिक लाभ मिल सकता है। हालांकि, वेतन में कितनी वृद्धि होगी और कौन-कौन से भत्ते मिलेंगे, इसका विस्तृत ब्योरा संबंधित आधिकारिक आदेश से स्पष्ट होगा।

करीब 18 हजार अग्निवीरों को मिलेगी राहत बताया जा रहा है कि करीब 18 हजार अग्निवीरों का पहला बैच आने वाले कुछ सप्ताह में चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाला था। ऐसे में सेवा विस्तार का फैसला उनके लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे उन्हें सेना में अनुभव हासिल करने और नियमित सेवा के लिए अपनी योग्यता साबित करने का अतिरिक्त समय मिलेगा। नई व्यवस्था से अग्निवीरों के भविष्य को लेकर चल रही चर्चा भी तेज हो गई है। अब सबसे अहम सवाल चयन के मानदंड और नियमित पदों की संख्या को लेकर है। इनका पूरा विवरण सामने आने के बाद ही अग्निवीरों के लिए इस बदलाव का वास्तविक लाभ स्पष्ट हो सकेगा।

## दीवाली से पहले ईरान से आई अच्छी खबर, अब होर्मुज से बिना रोक-टोक गुजरेंगे भारतीय जहाज

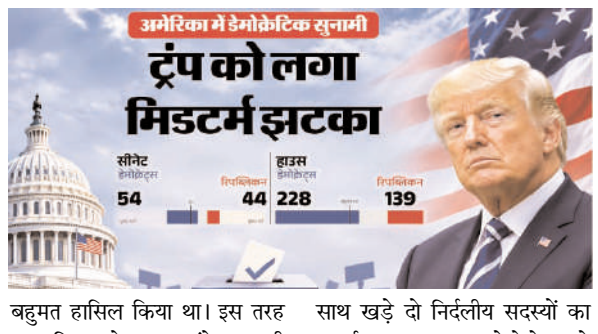
**नई दिल्ली।** दीवाली से पहले ईरान से भारत के लिए अच्छी खबर आई है। ईरान ने भारत, चीन, इराक और कतर के जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने पर लगी पाबंदियों से छूट दे दी है। तेहरान का कहना है कि यह व्यवस्था आपसी हितों को ध्यान में रखकर की गई है, जिसमें भारत से दवाओं का आयात और चीन से मिलने वाला राजनीतिक समर्थन शामिल है। ईरान के एक वरिष्ठ सांसद ने बताया कि यह व्यवस्था इन चार देशों के साथ तेहरान के हितों से जुड़ी है। ऐसे समय में जब यह रणनीतिक जलमार्ग ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच चल रहे संघर्ष में उलझा हुआ है, इस घोषणा से भारतीय शिपंग को कुछ राहत मिल सकती है।

# ईरान जंग, कमजोर चेहरे और अतिआत्मविश्वास: ट्रंप के हाथ न हाउस लगा, न सीनेट

एजेंसी, वॉशिंगटन।

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। तीन नवंबर को हुए मतदान के नतीजों में डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों- सीनेट और प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इसके साथ ही ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले दो वर्षों में चला आ रहा रिपब्लिकन पार्टी का संसद पर नियंत्रण खत्म हो गया है।

यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि ट्रंप ने 2024 में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद रिपब्लिकन पार्टी के लिए संसद के दोनों सदनों में




बहुमत हासिल किया था। इस तरह राष्ट्रपति पद के साथ कांग्रेस पर भी उनकी पार्टी का नियंत्रण था। अब मध्यावधि चुनाव के नतीजों ने यह स्थिति बदल दी है।

**सीनेट में सात सीटों का नुकसान**

चुनाव से पहले रिपब्लिकन के पास सीनेट की 53 सीटें थीं, जबकि डेमोक्रेट्स के पास 45 और उनके साथ खड़े दो निर्दलीय सदस्यों का समर्थन था। इस बार डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन से सात सीटें छीन लीं। शुरूआती घोषित नतीजों में डेमोक्रेटिक खेमे को 54 और रिपब्लिकन को 44 सीटें मिली थीं। यहां डेमोक्रेटिक खेमे में दो निर्दलीय सदस्य भी शामिल हैं। सीनेट में कुल 100 सदस्य होते हैं और बहुमत के लिए 51 सीटों की जरूरत होती है।

**प्रतिनिधि सभा में भी डेमोक्रेट्स को बहुमत**

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की सभी 435 सीटों पर चुनाव हुआ। बहुमत के लिए 218 सीटें जरूरी हैं। डेमोक्रेट्स ने यह आंकड़ा पार कर लिया। शुरूआती आकलन में डेमोक्रेट्स को 228 और रिपब्लिकन को 139 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। कई सीटों पर मतगणना जारी है। इस सदन में जीत के साथ डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीज के जनवरी 2027 में स्पीकर बनने का रास्ता साफ हो गया है। वह इस पद पर पहुंचने वाले पहले अश्वेत नेता हो सकते हैं। इस बदलाव का सीधा असर ट्रंप के बाकी कार्यकाल पर पड़ेगा। अब उन्हें कानून बनाने, बजट पारित कराने और कई प्रशासनिक फैसलों को आगे बढ़ाने के लिए डेमोक्रेट्स के विरोध का सामना करना होगा।

### टेक्सास से मेन तक सात राज्यों में रिपब्लिकन को झटका, किसने किसे हराया?

सीनेट चुनाव में डेमोक्रेट्स की जीत का सबसे अहम पहलू उन राज्यों में मिली सफलता रही, जिन्हें लंबे समय से रिपब्लिकन पार्टी का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। सात राज्यों में रिपब्लिकन उम्मीदवारों को हराकर डेमोक्रेट्स ने सीनेट का पूरा चुनावी गणित बदल दिया।

1. टेक्सास: डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जेम्स टालारिको ने रिपब्लिकन केन पैक्सटन को हराया। टेक्सास में 1988 के बाद पहली बार डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार सीनेट चुनाव जीतने में सफल रहा। पैक्सटन राज्य के अटॉर्नी जनरल रह चुके हैं और ट्रंप के समर्थित नेताओं में गिने जाते थे। चुनाव में उनकी उम्मीदवारी को लेकर रिपब्लिकन पार्टी के अंदर भी मतभेद थे।
2. कंसास: डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एडम हैमिल्टन ने रिपब्लिकन सीनेटर रोजर मार्शल को हराया। कंसास ने 1932 के बाद पहली बार किसी डेमोक्रेटिक उम्मीदवार को सीनेट भेजा है। करीब 94 साल बाद हुए इस बदलाव को चुनाव के सबसे बड़े उलटफेरों में गिना जा रहा है। हैमिल्टन एक पादरी हैं और देश के बड़े मेथोडिस्ट चर्च से जुड़े रहे हैं।
3. आयोवा: डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोश ट्यूरेक ने रिपब्लिकन एश्ले हिंसन को हराया। यह सीट भी पहले रिपब्लिकन के पास थी। ट्यूरेक की जीत इसलिए महत्वपूर्ण रही, क्योंकि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप ने इस राज्य में अच्छी बढ़त हासिल की थी।
4. नॉर्थ कैरोलिना: डेमोक्रेटिक उम्मीदवार रॉय कूपर ने रिपब्लिकन माइकल व्हाटली को हराया। कूपर राज्य के पूर्व गवर्नर हैं। उनकी जीत से डेमोक्रेट्स ने एक और रिपब्लिकन सीट अपने खाते में जोड़ ली।
5. ओहायो: डेमोक्रेटिक नेता शेरॉड ब्राउन ने रिपब्लिकन जॉन हस्टेड को हराकर सीनेट में वापसी की। ब्राउन पहले भी सीनेटर रह चुके हैं। यह मुकाबला खास था, क्योंकि ओहायो में ट्रंप के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का राजनीतिक प्रभाव माना जाता है।
6. मेन: डेमोक्रेटिक उम्मीदवार ट्रॉय जैक्सन ने रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कॉलिन्स को हराया। कॉलिन्स पांच बार सीनेटर रह चुकी थीं और पार्टी की वरिष्ठ नेताओं में शामिल थीं। उनकी हार को रिपब्लिकन पार्टी के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा गया।
7. दक्षिण कैरोलिना: डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एनी एंड्रयूज ने रिपब्लिकन उम्मीदवार डार्लिन ग्राहम को हराया। डार्लिन, दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम की बहन हैं। जुलाई में लिंडसे ग्राहम की मृत्यु के बाद उन्हें इस सीट पर नियुक्त किया गया था। ट्रंप ने भी उनका समर्थन किया था। इसके बावजूद डेमोक्रेट्स ने यह सीट जीत ली। इनके अलावा जॉर्जिया में डेमोक्रेटिक सीनेटर जॉन ओसॉफ ने अपनी सीट बरकरार रखी।

# अहिरावण वध के रोमांचक मंचन ने बांधा समां, हनुमान-मकरध्वज मिलन ने किया भावुक

- पाताल लोक में गूंजे जय श्रीराम के जयकारे, पिता-पुत्र के अनोखे मिलन और अधर्म पर धर्म की विजय का दिखा अद्भुत प्रसंग*
- आज होगा अधर्म का अंत, श्रीराम के राजतिलक से सजेगी अयोध्या! रावण वध और राम राज्याभिषेक का भव्य मंचन देखने उमड़ेगा जनसैलाब

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस-2 स्थित श्री रामलीला पार्क में आयोजित रामलीला महोत्सव में बुधवार शाम अहिरावण वध का रोमांचक एवं भावपूर्ण मंचन श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना। पाताल लोक के दृश्यों, अहिरावण की मायावी शक्तियों और प्रभु श्रीराम-लक्ष्मण को मुक्त कराने के लिए हनुमान जी के अद्भुत पराक्रम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंचन के दौरान रावण के आदेश पर अहिरावण द्वारा छलपूर्वक श्रीराम और लक्ष्मण को पाताल लोक ले जाने का प्रसंग दिखाया गया। इसके बाद संकटमोचन हनुमान जी प्रभु की रक्षा के लिए पाताल लोक पहुंचे। वहां उनकी भेंट अपने पुत्र मकरध्वज से हुई। पिता-पुत्र के इस अनोखे मिलन ने दर्शकों को भावुक कर दिया। मकरध्वज और हनुमान जी के बीच हुए संवाद तथा कर्तव्य और भक्ति के प्रसंग ने विशेष रूप से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।इसके बाद हनुमान जी ने अहिरावण की मायावी शक्तियों का सामना करते हुए उसका वध किया और प्रभु श्रीराम तथा लक्ष्मण को उसके बंधन से मुक्त कराया। अहिरावण वध के दृश्य के साथ ही पूरा रामलीला परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। कलाकारों की शानदार संवाद अदायगी, प्रभावशाली अभिनय और आकर्षक मंच सज्जा ने मंचन को जीवंत बना दिया।

इस प्रसंग के माध्यम से भगवान श्रीराम के प्रति हनुमान जी की अटूट भक्ति, अदम्य साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया गया। श्रद्धालुओं ने तालियों और जयकारों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। रामलीला महोत्सव में प्रतिदिन हो रहे विभिन्न प्रसंगों के मंचन को देखने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। कार्यक्रम में श्री रामलीला महोत्सव के संस्थापक बालकिशन गुप्ता, प्रदीप शर्मा, कृष्णवीर सिंह सिकरवार एवं अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद पाठक सहित डॉ. नौनीहाल कुशवाह, लक्ष्मीकांत उपाध्याय, देवेंद्र गुप्ता, पप्पू गहलोत, राकेश चौहान, उमेश दीक्षित, हरिविलास यादव, ओमप्रकाश कुशवाह, वीरेंद्र चौधरी, शेर सिंह कुशवाह, योगेश यादव, चौधरी दिनेश सिंह, पंडित सोनू शर्मा एवं पुष्पेन्द्र सिंह सिकरवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंचन श्री बाल हनुमान आदर्श रामलीला मंडल के संचालक पं. दिनेश चंद्र शास्त्री महाराज के निर्देशन में मंडली के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

# सावधान! मिठाइयों से लेकर दूध-बेसन तक पर प्रशासन की नजर

## खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी से मची खलबली

- आगामी त्योहारों के दृष्टिगत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के निर्देशों पर जनपदभर में चला सघन चेकिंग अभियान
- सरसों तेल, खोया, छैना रसगुल्ला, मिल्क केक और पनीर समेत 13 नमूनों को जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



आगामी त्योहारों के मद्देनजर आम जनमानस को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में बुधवार, 4 नवंबर 2026 को खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जनपद आगरा में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। विभागीय टीम ने शहर एवं देहात क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों व निर्माण इकाइयों पर छापेमारी कर कुल 13 विधिक नमूने संग्रहित किए तथा गुणवत्ता संदिग्ध पाए जाने पर 40 लीटर सरसों का तेल जब्त किया।

अभियान के दौरान किशोरपुरा आबादी स्थित कमल कुमार के एक्सपेलर से सरसों के तेल का नमूना लेते हुए मौके पर मौजूद 40 लीटर सरसों का तेल जब्त किया गया। इसी परिसर में संचालित कमल आटा चक्की से खुले बेसन का नमूना लिया गया। इसके अतिरिक्त बेलनगंज स्थित मोतीलाल नेहरू रोड से मिश्रित दूध, जीवनी मंडी स्थित निर्माण इकाई से चीनी खिलौने तथा जीवनी मंडी चौराहे की स्वीट शॉप से बेसन लड्डू का नमूना संग्रहित किया गया।

कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए फतेहाबाद स्थित पंगोरिया स्वीट्स एंड फास्ट फूड से खोया व छैना रसगुल्ला, अनिल घेवर वाले से मिल्क केक व बर्फी, अग्रवाल भोजनालय से सोयाबीन रिफाइंड ऑयल व पकी हुई अरहर दाल तथा प्रेम हलवाई के यहां से खोया बर्फी का नमूना लिया गया। इसके अलावा क्षेत्र में भ्रमणशील एक फेरीवाले से मिश्रित दूध का नमूना भी संग्रहित किया गया।

सहायक आयुक्त (खाद्य)-कक्र ने बताया कि संग्रहित किए गए सभी 13 खाद्य नमूनों को परीक्षण एवं विश्लेषण हेतु राज्य खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत संबंधित विक्रेताओं व कारोबारियों के विरुद्ध सख्त विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहारों तक मिलावटखोरों के खिलाफ विभाग का यह चेकिंग अभियान अनवरत जारी रहेगा।

# डीएम की सख्ती से अवैध खनन माफियाओं में हड़कंप

## सैयां-शमशाबाद रोड पर बनेगी नई चेक पोस्ट

- ओवरलोडिंग, बिना रॉयल्टी परिवहन और ईंट-भट्टा सत्र की बकाया वसूली की हुई समीक्षा
- ड्रोन फोटोग्राफी के बाद ही खनन अनुमति देने के आदेश

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



जनपद में अवैध खनन, अवैध खनिज परिवहन और राजस्व चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से बुधवार, 4 नवंबर 2026 को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में जिला/तहसील स्तरीय खनन टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पिछली बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा के साथ-साथ राजस्व प्राप्ति और प्रवर्तन (एनफोर्समेंट) कार्यों की गहन पड़ताल की गई।

**सैयां-शमशाबाद मार्ग पर बनेगी चेक पोस्टः**

जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान निर्देश दिए कि सैयां-शमशाबाद रोड पर अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए तुरंत एक नई चेक पोस्ट स्थापित करने का प्रस्ताव भेजा जाए। इसके साथ ही, जिन क्षेत्रों में रेलवे के विकास कार्य संचालित हो रहे हैं, वहां अवैध मिट्टी खनन की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

**ओवरलोडिंग और फर्जी नंबर प्लेट वाले वाहनों पर कसेगा शिकंजाः**

डीएम ने ओवरलोडिंग, बिना वैध रॉयल्टी और प्रपत्रों के खनिज ढोने वाले वाहनों के साथ-साथ बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (ल्रस्फ्ढ) एवं टेंपर्ड नंबर प्लेट वाले वाहनों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने 'माइन मित्र' पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया कि खनन अनुमति केवल ड्रोन फोटोग्राफी कराए जाने के उपरांत ही जारी की जाए और पूर्व में समाप्त हो चुकी साधारण मिट्टी खनन अनुमतियों की क्लोजर रिपोर्ट अविलंब प्रस्तुत की जाए।

**राजस्व वसूली और ईंट-भट्टों की समीक्षाः**

राजस्व प्राप्ति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन बकायेदारों से वसूली प्रमाण पत्रों (आरसी) के माध्यम से धनराशि वसूलनी है, यदि वे अन्य जनपदों या राज्यों से संबंधित हैं, तो वहां समयानुसार रिमाइंडर भेजे जाएं। साथ ही ईंट-भट्टा सत्र के तहत रॉयल्टी जमा कराने और बकाया राशि की वसूली हेतु भी संबंधित विभागों को प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप वर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी (ब्रह्ड) राजेश कुमार, जिला खनन अधिकारी मिथिलेश पांडेय सहित खनन टास्क फोर्स से जुड़े अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# कस्बा फतेहाबाद में बंदरों का आतंक

❍ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।



कस्बा फतेहाबाद में बंदरों का आतंक आए दिन बढ़ता ही जा रहा है जिसके चलते लोगों के साथ आए दिन बंदर वारदात कर रहे हैं जिसके चलते कई लोगों को बंदरों ने काट लिया है तथा आए दिन उनके द्वारा छीना-झपटी की जा रही है जिसके चलते कई लोगों के साथ अप्रिय घटना भी हो चुकी है जहां कस्बा फतेहाबाद के पुरानी सब्जी मंडी बस स्टैंड , शिवाजी नगर, चौराहा मोहल्ला, अंबेडकर चौक,बाग कॉलोनी, जमुना गली सहित आदि मोहल्लों में इनका आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ाई जा रहा है लोगों के द्वारा अपनी छतों पर जाना बंद कर दिया है तथा लोग अपने बच्चों को स्कूल तथा ट्यूशन अकेले जाने से भी कतराते हैं क्योंकि गलियों में झुंड के झुंड बंदर इकट्ठे रहते हैं और वह अकेला पाकर कभी भी हमला कर देते हैं लोगों ने नगर पंचायत व तहसील प्रशासन से मांग की है कि इनको पकड़वाकर दूसरी जगह छुड़वाया जाए जिससे लोग सुरक्षित रहें वहीं बंदरों के कारण लोगों के द्वारा जो वृक्षारोपण किया गया था वह भी पूरी तरह से तहस-नहस हो गया है।

# चार महीने का इंतजार खत्म, चंबल घाट पर दौड़े वाहन

## यूपी-एमपी के लाखों लोगों को राहत

❍ टीएनएफ टुडे, पिनाहट।



चंबल नदी पिनाहट पर लोगों की कड़ी मशक्कत और हंगामें के बाद आखिरकार बीस दिन की देरी के बाद पैंटून पुल संचालित हो गया। जिससे दोनों प्रदेशों के? लाखों लोगों को बड़ी राहत मिली है। स्टीमर बंद होने के बाद से चार महीने से घाट पर आवागमन पूरी तरह बंद पड़ा था।

पिनाहट चंबल नदी घाट से मध्यप्रदेश की ओर आवागमन करने के लिए पिछले चार महीने से लाखों लोग परेशान थे। क्योंकि मुरैना जिला प्रशासन द्वारा यहां स्टीमर संचालन बंद करा दिया था। यहां प्रतिवर्ष लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाए जाने वाले पैंटून पुल निर्माण की तिथि 15 अक्टूबर गुजरने के बाद व्यापारियों ने बाजार बंद कर धरना प्रदर्शन किया। जिसके बाद भी विभाग ने चींटी की चाल से निर्माण कार्य शुरू किया। लोगों को इस पुल का बड़ी बेसब्री से इंतजार था। बुधवार सुबह करीब 9 बजे दोनों ओर के लाखों लोगों का इंतजार खत्म हुआ और पिनाहट पुलिस ने पुल पर वाहनों का आवागमन शुरू करा दिया है। जिसके बाद लोगों को बड़ी राहत मिली है। पदुआपुरा निवासी वरिष्ठ समाजसेवी पूर्व कैप्टन भारतीय सेना भरत सिंह परिहार ने बताया कि दीपावली के त्यौहार पर लोग अपनी रिश्तेदारी में आसानी से आ जा सकेंगे। मेहनत मजदूरी करने वाले बहुत परेशान थे।इस पुल के चालू होने से उनको भी बड़ी राहत मिलेंगी।

# अज्ञात वाहन से गिरकर युवक की मौत

**फतेहाबाद।** शमशाबाद-फतेहाबाद मार्ग पर जगराजपुर गांव के सामने मंगलवार रात अज्ञात वाहन से गिरकर हुई युवक की मौत के मामले में 24 घंटे बीत जाने के बाद भी शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। मृतक की उम्र करीब 25 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस युवक की पहचान कराने के प्रयास में जुटी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार रात करीब आठ बजे शमशाबाद-फतेहाबाद मार्ग पर जगराजपुर गांव के सामने किसी अज्ञात वाहन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह में रखवा दिया था। मृतक की उम्र करीब 25 वर्ष होने का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस मृतक की पहचान कराने के लिए आसपास के थानों के व्हाट्सएप ग्रुपों में शव की तस्वीर भेज रही है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर फोटो प्रसारित करने, पंपलेट छपवाने तथा आरटी सेट के माध्यम से भी शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में भी युवक की पहचान के लिए जानकारी जुटा रही है।

# 10 रु. की सांकेतिक दर पर जरूरतमंदों को मिले कपड़े और व्यंजन

- डॉ. भीमराव आबेडकर विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर में लॉयन्स क्लब अपस्ट्रीम के सहयोग से विद्यार्थियों ने पेश की सामाजिक सरोकार की मिसाल
- दीपावली पर वंचित वर्ग के 110 परिवारों ने की खरीदारी; एमबीए व बीबीए के छात्र-छात्राओं ने लगाए फूड स्टॉल्स और संभाला प्रबंधन

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।




डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के खंदारी परिसर स्थित सेठ पदमचंद जैन प्रबंध संस्थान में बुधवार, 4 नवंबर 2026 को दीपावली पर्व के पावन अवसर पर सामाजिक सरोकार से परिपूर्ण 'विश्वविद्यालय हाट' का आयोजन किया गया। लॉयन्स क्लब अपस्ट्रीम के विशेष सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के परिवारों के जीवन में त्यौहार की खुशियां बिखेरना और उन्हें आत्मनिर्भरता का अहसास कराना रहा।

**10 रू. में खरीदे परिधान, स्वाभिमान के साथ बांटी खुशियांः**

दीपावली के इस पावन पर्व पर संस्थान के छात्र-छात्राओं ने एक अनुकरणीय पहल करते हुए अपने घरों और आसपास की बस्तियों से उपयोग योग्य, बेहतर स्थिति वाले वस्त्रों तथा अन्य उपयोगी सामग्रियों का एकत्रीकरण किया। जरूरतमंदों को आत्मसम्मान के साथ सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन कपड़ों व सामानों को मात्र ?10 की सांकेतिक कीमत पर बिक्री हेतु रखा गया, जिससे लगभग 110 जरूरतमंद लोगों ने अपनी पसंद के अनुसार खरीदारी की। इसके अलावा, हाट में आए परिवारों के मनोरंजन, संगीत तथा भोजन का भी विशेष प्रबंध किया गया और कई लोगों को निःशुल्क भोजन भी कराया गया।

**विद्यार्थियों ने लगाए फूड स्टॉल्स, संभाली व्यवस्थाएं:**

हाट में पधारे लोगों के लिए छात्रों द्वारा लगाए गए विभिन्न फूड स्टॉल्स पर भी खाद्य व्यंजनों की शुरूआती कीमत मात्र ?10 रखी गई थी। एमबीए प्रथम सेमेस्टर की खुशी त्यागी व वंशिका गौतम ने भेलपुरी स्टॉल; बीबीए प्रथम सेमेस्टर की सलोनी, रंजन, अंश व मान्या ने पोहा स्टॉल तथा चिराग, अक्षांश, उमंग, आशय व गौरी ने सैंडविच स्टॉल संभाला। वहीं बीबीए तृतीय सेमेस्टर के अबीर शर्मा, अर्चित, वृद्धि, वंशिका व गौरी ने वेज रोल तथा बीबीए पंचम सेमेस्टर के नंदिनी, अक्षरा, खुशबू, पीयूष व आयुष ने चाय, पास्ता और गोलगप्पे के स्टॉल लगाए। वस्त्र वितरण व संपूर्ण प्रबंधन में एमबीए प्रथम सेमेस्टर के उमेश, शुभम, अभिनव, कृष्णा, उदय, मोहित, काजल, केशव, गोपाल, अंशु, दिव्यांशी व भूमि तथा बीबीए पंचम सेमेस्टर के लकी, राहुल, युवराज व निशांत का सराहनीय योगदान रहा।

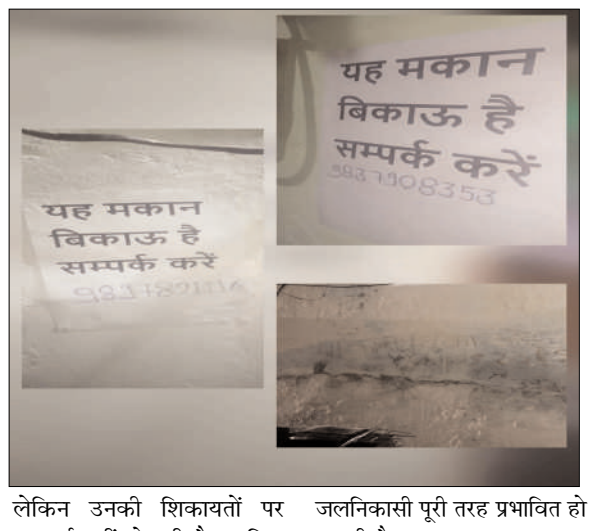
कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. स्वाति माथुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. बृजेश रावत, ऋतु गोयल, लीना माथुर, आशा सरीन, एस.पी. सरीन, डॉ. रुचिरा प्रसाद, डॉ. सीमा सिंह, डॉ. श्वेता चौधरी, डॉ. जागृति असीजा एवं लकी आर्य सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# दबंगई से परेशान परिवारों ने लगाए 'मकान बिकाऊ है' के पोस्टर

## गली में निर्माण कर रास्ता संकरा और नाली बंद करने का आरोप, कार्रवाई न होने पर पलायन की चेतावनी

- बस स्टैंड वाली गली में निर्माण को लेकर विवाद
- रात में निर्माण कराने और गली की जमीन घेरने का आरोप
- जलभराव से परेशान परिवारों ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

❍ टीएनएफ टुडे, खंदौली।




कस्बे की बस स्टैंड वाली गली में कथित अवैध निर्माण को लेकर विवाद चर्चा में है गली में रहने वाले कई परिवारों ने आरोप लगाया है कि एक दबंग व्यक्ति द्वारा गली की जमीन पर निर्माण बढ़ाकर रास्ता संकरा किया जा रहा है। इतना ही नहीं, गली में दीवार लगाकर नाली बंद की जा रही है। इससे परेशान कई परिवारों ने अपने मकानों के बाहर ह्यिह मकान बिकाऊ हैह्न के पोस्टर लगा दिए हैं।

गली निवासी अनिल वर्मा ने बताया कि एक व्यक्ति ने गली के बराबर में स्थित दुकान खरीदी है। आरोप है कि दुकान को तोड़कर नया निर्माण कराया जा रहा है और निर्माण को गली की ओर बढ़ाया जा रहा है। स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं, लेकिन उनकी शिकायतों पर सुनवाई नहीं हो रही है। अनिल वर्मा का आरोप है कि संबंधित व्यक्ति रात के समय निर्माण कार्य कराता है।

स्थानीय निवासियों के मुताबिक गली पहले से ही जलभराव की समस्या से जूझ रही है। बरसात के दौरान पूरी गली में पानी भर जाता है और लोगों को आने-जाने तक में परेशानी होती है। अब नाली बंद होने और गली में निर्माण बढ़ने से हालात और खराब होने की आशंका है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते निर्माण नहीं रोका गया तो गली का रास्ता और संकरा हो जाएगा तथा जलनिकासी पूरी तरह प्रभावित हो सकती है।

दबंगई और लगातार बढ़ती परेशानी से आहत कई परिवार अब अपने मकान बेचकर दूसरी जगह जाने को मजबूर होने की बात कह रहे हैं। इसी के चलते उन्होंने घरों के बाहर ह्यिह मकान बिकाऊ हैह्न के पोस्टर लगा दिए हैं।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है उन्हें अपने ही घरों में आने-जाने और रहने के लिए परेशान न होना पड़े, इसके लिए प्रशासन को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए अन्यथा पलायन को मजबूर होंगे।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper



# एमडी जैन इंटर कॉलेज में जिलास्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

## डीएम मनीष बंसल ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनपद में वैज्ञानिक सोच और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार, 4 नवंबर 2026 को हरीपर्वत स्थित एमडी जैन इंटर कॉलेज में जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स द्वारा जिलाधिकारी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा विद्यार्थियों द्वारा मल्लखंभ विद्या का अद्भुत एवं साहसिक प्रदर्शन किया गया, जिसे सभी ने सराहा।

विद्यार्थियों के मॉडलों ने मोहा मनः

प्रदर्शनी का मुआयना करते हुए जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार किए गए विभिन्न विज्ञान मॉडलों का सूक्ष्म अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके मॉडलों की कार्यप्रणाली, उपयोगिता और तकनीकी विशेषताओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। प्रतियोगिता में स्मार्ट सिटी, चंद्रयान-3, मिसाइल लॉन्चिंग सिस्टम, 3डी होलोग्राम, ऑटोमेटिक ब्रिज, रोड सेफ्टी, ब्लाइंड स्टिक, स्मार्ट क्लीन टॉयलेट



सिस्टम, मेडिसिन रिमाइंडर बॉक्स और कचरा प्रबंधन (वेस्ट मैनेजमेंट) पर आधारित एक से बढ़कर एक मॉडल प्रदर्शित किए गए।

जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर जोरः

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि विज्ञान में किसी भी बड़ी खोज की नींव 'जिज्ञासा' और 'सवाल पूछने की प्रवृत्ति' से पड़ती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया कि वे किताबी ज्ञान और रटने की प्रवृत्ति से बाहर निकलकर प्रायोगिक शिक्षा पर ध्यान दें। डीएम ने नदी प्रदूषण, वायु प्रदूषण और शहरी कूड़ा निस्तारण जैसी गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं पर विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें तकनीक के माध्यम से इनके व्यावहारिक और टिकाऊ समाधान खोजने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और आधुनिक तकनीकों का सकारात्मक उपयोग करने की सीख दी। प्रतियोगिता में जनपद की बालिकाओं की भारी संख्या में सहभागिता देख उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

- 67 विद्यालयों के 214 विद्यार्थियों ने स्मार्ट सिटी, चंद्रयान-3, एआई और कचरा प्रबंधन जैसे विषयों पर प्रस्तुत किए अभिनव मॉडल

**मंडल स्तर के लिए चुने जाएंगे 15 उत्कृष्ट मॉडलः**

जिला विज्ञान क्लब के जिला समन्वयक डॉ. निखिल जैन ने जानकारी दी कि इस प्रतियोगिता में जनपद के 67 विद्यालयों के कुल 214 मेधावी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। मूल्यांकन के उपरांत इनमें से 15 उत्कृष्ट मॉडलों का चयन आगामी मंडल स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी के लिए किया जाएगा। मंडल स्तर पर विजेता रहने वाले प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 5,000 रुपये, 3,000 रुपये और 2,000 रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी, जबकि दो विद्यार्थियों को 1,000-1,000 रुपये का सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक रविंद्र पाल सिंह तोमर, विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. संजय गर्ग, डॉ. रीनेश मित्तल, डॉ. रामनाथ गौतम, डॉ. प्रभात किरन वार्ष्णेय, डॉ. रामवीर सिंह चौहान, डॉ. राखी गुप्ता सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकगण और निर्णायक मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

# आंगनवाड़ी भर्ती में गलत आय प्रमाण पत्रों पर जिलाधिकारी सख्त

## बीपीएल श्रेणी में न आने वाले, मानक से अधिक आय वालों की नियुक्तियां होंगी रद्द

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनपद में आंगनवाड़ी भर्ती प्रक्रिया के दौरान गलत आय प्रमाण पत्रों के इस्तेमाल और गड़बड़ियों के कई मामलों में जिलाधिकारी मनीष बंसल जी ने सख्त कार्रवाई करने के संबंधित को कड़े निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी द्वारा आंगनवाड़ी भर्ती में कम आय प्रमाण पत्र लगाने, नियुक्ति प्राप्त करने की विभिन्न शिकायतों के प्राप्त होने पर उनका संज्ञान लेकर गहन जांच कराई गई, जांच में ऐसे आवेदन कर्ता जो बीपीएल श्रेणी में नहीं आते थे,जिनकी वास्तविक आय अधिक है, आदि मामले प्रकाश में आने पर ऐसी नियुक्तियां रद्द करने, बिना सत्यापन के गलत रिपोर्ट लगाने वाले संबंधित लेखपालों के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्यवाही तथा गलत बने आय प्रमाण पत्र रद्द करते हुए उनसे जुड़ी नियुक्तियों को भी निरस्त



किए जाने की कार्यवाही के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए हैं।

गौरतलब है कि जिलाधिकारी ने प्राप्त विभिन्न शिकायतों का यथा कम आय दर्शाकर प्रमाण पत्र जारी होने, बीपीएल श्रेणी में पात्रता धारण न करने आदि की प्राप्त शिकायतों पर आय प्रमाणपत्रों का संबंधित एसडीएम को सत्यापन व जांच के निर्देश दिए गए थे। जांच में घोषित आय और वास्तविक आय के बीच

- बिना सत्यापन गलत रिपोर्ट लगाने वाले लेखपालों पर होगी कड़ी विभागीय कार्यवाही, गलत आय प्रमाण पत्र भी होंगे निरस्त

अंतर होने,वास्तविक आय अधिक होने के विभिन्न तथ्य सामने आए हैं।

ऐसे ही एक प्रकरण में गौरी पत्नी लोकेंद्र कुमार, ग्राम उजरई जाट, तहसील एत्मादपुर द्वारा वहां रिक्त 02 पदों हेतु हुई भर्ती में त्रुटिपूर्ण आय प्रमाणपत्र से अपात्रों के चयन लेखपालों ने सही तरह से जांच न कर त्रुटिपूर्ण आय प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए हैं,ऐसे लेखपालों के विरुद्ध भी विभागीय कार्यवाही तय है।

जिलाधिकारी ने ऐसे आय प्रमाण पत्र निरस्त करने, एसडीएम को प्रमाण पत्र की संस्तुति करने वाले संबंधित लेखपालों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है। इस तरह की लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं नियमों के अनुरूप बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा सभी शिकायतों की गहन जांच कराई जा रही है। अपात्र पाए जाने पर नियुक्ति निरस्त करने के साथ-साथ दोषी कर्मियों के विरुद्ध भी नियमानुसार कठोर विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

# आगरा-मथुरा सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की 29वीं बोर्ड बैठक संपन्न

## नौलखा स्थित मुख्य कार्यालय अब नगर निगम परिसर में होगा शिफ्ट

- इलेक्ट्रिक बसों के संचालन हेतु फेयर कलेक्शन सर्विसेज की नवीन निविदा आमंत्रित करने के प्रस्ताव को मिली हरी झंडी
- निष्प्रयोज्य बसों के सदुपयोग हेतु मांगी गई कार्ययोजना
- ई-बसों में टिकट निर्गमन हेतु वर्तमान सेवा प्रदाता कंपनी के अनुबंध विस्तार को मिली स्वीकृति

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मण्डलायुक्त नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में आगरा-मथुरा सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के निदेशक मण्डल की 28वीं बोर्ड बैठक के निर्णयों की अनुपालन आख्या की समीक्षा तथा 29वीं महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन बुधवार, 4 नवंबर 2026 को किया गया। बैठक की शुरूआत में स्थानांतरण के फलस्वरूप कंपनी अध्यक्ष एवं नए निदेशकों की नियुक्ति प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसके साथ ही पीपीपी (ढढढ) मोड पर बस




स्टॉप विकसित करने हेतु चिह्नित स्थलों का विवरण पत्र नगरीय परिवहन निदेशालय, लखनऊ को प्रेषित किए जाने की जानकारी दी गई।

निष्प्रयोज्य बसों का होगा जनहित में उपयोग, फेयर कलेक्शन की नई निविदा मंजूरः

बैठक के दौरान आगरा-मथुरा सिटी ट्रांसपोर्ट द्वारा संचालित ई-बसों की आय-व्यय एवं रूटवार संचालन की गहन समीक्षा की गई। मण्डलायुक्त ने निर्देश दिए कि डिपो में खड़ी निष्प्रयोज्य (अक्रियाशील) बसों को यदि आम जनसुविधा हेतु किसी अन्य उपयोगी कार्य में लाया जा सकता है, तो उसके लिए त्वरित विस्तृत कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत की जाए। इसके अतिरिक्त आगरा-मथुरा में संचालित इलेक्ट्रिक बसों हेतु फेयर कलेक्शन सर्विसेज के पूर्व अनुबंधित एजेंसी की अवधि 16 दिसंबर 2026 को समाप्त होने के दृष्टिगत नवीन निविदा आमंत्रित किए जाने के प्रस्ताव को मण्डलायुक्त द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

**अनुबंध विस्तार एवं कार्यालय स्थानांतरण पर महत्वपूर्ण निर्णयः**

नगरीय ई-बसों में यात्रियों को निर्बाध टिकट निर्गमन सेवा उपलब्ध कराने हेतु वर्तमान सेवा प्रदाता कंपनी के अनुबंध विस्तार अथवा नवीन निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने तक (जो भी पहले हो) वर्तमान निर्धारित दरों व शर्तों पर ही कार्य जारी रखने की स्वीकृति दी गई। बोर्ड ने एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए एएमसीटीएसएल (अटउळरछ) कंपनी के मुख्य कार्यालय को नौलखा, ग्वालियर रोड से स्थानांतरित कर एमजी रोड स्थित पंजीकृत कार्यालय 'नगर निगम आगरा' परिसर में शिफ्ट करने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी। साथ ही लंबित सचिवीय व वैधानिक अनुपालनों की रिपोर्ट की समीक्षा कर संबंधित विभागों से पत्राचार के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल, नगरायुक्त संतोष कुमार, आगरा विकास प्राधिकरण (अउअ) के उपाध्यक्ष विजय कुमार, अपर जिलाधिकारी (नगर) यमुनाधर चौहान तथा कंपनी सचिव (उर) श्रीमती ईशा भारद्वाज सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# विधानसभा क्षेत्र उत्तर के बीएलओ को मिला मतदाता पुनरीक्षण का प्रशिक्षण



आगरा। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल के दिशा-निर्देशन में बुधवार, 4 नवंबर 2026 को सूरसदन प्रेक्षागृह में विधानसभा क्षेत्र-89 (उत्तर) के बूथ लेवल अधिकारियों (इछड) के लिए विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत एक दिवसीय विस्तृत प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचक निबंधन अधिकारी (एफ्ह) श्रीमती नीलम तिवारी ने बीएलओ को मतदाता सूची को पूरी तरह त्रुटिरहित, पारदर्शी और अपडेट बनाने के तकनीकी व व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने फॉर्म-6 (नए नाम जोड़ने), फॉर्म-7 (मृतक/स्थानांतरित नाम हटाने) और फॉर्म-8 (नाम, पता व प्रविष्टियों में संशोधन) के सही उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही 'इङ्गङ्ग अ उं'" व्यवस्था के माध्यम से मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित कर सत्यापन प्रक्रिया

- जिलाधिकारी के निर्देशन में आयोजित सत्र में फॉर्म-6, 7 और 8 के सही प्रयोग की दी गई जानकारी
- मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने हेतु 'Book A Call' और घर-घर सत्यापन पर दिया गया विशेष जोर

को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

ईआरओ ने सभी बीएलओ को अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में घर-घर जाकर सर्वे करने, युवा व नए मतदाताओं को जोड़ने और पूरी निष्पक्षता व गंभीरता के साथ पुनरीक्षण कार्य निष्पादित करने को कहा। सत्र के अंत में बीएलओ द्वारा पूछी गई शंकाओं व प्रश्नों का मौके पर ही समाधान किया गया।

# आगरा कॉलेज में 'युवा संवाद' का भव्य आयोजन

## लोकतांत्रिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर हुई चर्चा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

'मेरा युवा भारत' आगरा एवं युवा कार्यक्रम तथा खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को आगरा कॉलेज के सभागार में एक दिवसीय ह्ययुवा संवादह्ल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा वर्ग को लोकतांत्रिक प्रक्रिया, मतदान के महत्व, मतदाता पहचान पत्र बनवाने की प्रक्रिया तथा 'मेरा युवा भारत' मंच की विभिन्न गतिविधियों एवं अवसरों से अवगत कराना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए ङ्ग४३ कूङ्गल्ल निलय अग्रवाल ने ह्यडल्लङ्ग६ ङ्ग४१ श्ङ्गशीह्ल विषय



को लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनके अधिकारों और एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि देश के भविष्य को तय करने में युवा शक्ति की सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण होती है। इसके साथ ही, डॉ. हिमालय ने ह्यडल्लङ्ग६ ट८ श्ङ्गशीह्ल विषय पर युवाओं से संवाद करते हुए खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा पर अपने विचार रखते हुए युवाओं लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं की विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पोनिया ने युवाओं को अपना वोटर आईडी कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विशेष जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 10 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक युवा अपना मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने सभी पात्र छात्र-छात्राओं से निर्धारित अवधि में आवेदन करने तथा आगामी चुनावों में अपनी शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर 'डॉली चायवाले' ने भी विशेष रूप से शिरकत की और युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें 'ट ईं१ंइ' पोर्टल से जुड़ने, अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने और समाज में

- खेल एवं युवा मंत्रालय तथा 'मेरा युवा भारत' के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में outh Icon निलय अग्रवाल और डॉली चायवाले ने की शिरकत
- भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पोनिया ने 10 नवंबर से 11 दिसंबर तक वोटर आईडी बनवाने का किया आह्वान, युवाओं ने ली लोकतांत्रिक शपथ

सकारात्मक योगदान देने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला युवा अधिकारी डॉ. श्रवण कुमार सहगल ने ह्यमेरा युवा भारतह्ल की विभिन्न योजनाओं और अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को इस मंच से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन कनक चौहान तथा झील गौतम द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों की रक्षा हेतु सामूहिक शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान के साथ इसका विधिवत समापन हुआ। इस आयोजन को सफल बनाने में अर्शिया हाशमी, अंकित, ब्रजमोहन झा, नितेश, उत्कर्ष, नवीन, कुलदीप, रवि, अक्षय और कुर्बान सहित पूरी टीम का विशेष सहयोग रहा।

# विवि में 'AI for Everyone' और 'Cyber Security' वोकेशनल कोर्स शुरू

## DSPOC नामित और पंजीकरण शुल्क तय

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप चालू शैक्षणिक सत्र से रोजगारपरक एवं तकनीकी वोकेशनल पाठ्यक्रमों का संचालन व पंजीकरण समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रारंभ कर दिया गया है। विश्वविद्यालय की वित्त समिति एवं कार्य परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों के आधार पर इन पाठ्यक्रमों के पंजीकरण और शुल्क ढांचे को अंतिम रूप देकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

समर्थ पोर्टल के सह-समन्वयक प्रो. मनुप्रताप सिंह द्वारा जारी पत्र के अनुसार, स्नातक तृतीय सेमेस्टर के सभी छात्र-छात्राओं के लिए 75 घंटे (3 क्रेडिट) का 'अकाङ्ग१ एप्री१८ङ्गल्ली' (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) पाठ्यक्रम अनिवार्य किया गया है, जिसके लिए समर्थ पोर्टल पर प्रति छात्र ?300 पंजीकरण शुल्क निर्धारित है। इसमें 40 अंकों की बहुविकल्पीय थ्योरी परीक्षा तथा 60 अंकों की प्रयोगात्मक परीक्षा एलएमएस (छटर) के माध्यम से होगी। वहीं, द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 'उट्ठी१ रीू४१३८' पाठ्यक्रम अनिवार्य करते हुए ?500 प्रति छात्र पंजीकरण शुल्क तय किया गया है।

पाठ्यक्रमों के सुचारू संचालन, मॉनिटरिंग और समन्वय हेतु कुलपति के आदेशानुसार 6 क्षेत्रों के लिए ऊढडउ नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। आगरा जनपद हेतु सेंट जॉन्स कॉलेज के प्रो. एस.पी. सिंह व श्रीमती बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय की प्रो. पूनम सिंह, फिरोजाबाद हेतु दाऊ दयाल महिला पीजी कॉलेज की प्रो. रेणु वर्मा, शिकोहाबाद क्षेत्र हेतु नारायण पीजी कॉलेज के प्रो. वी.के. सिंह, मैनपुरी हेतु श्री चित्रगुप्त पीजी कॉलेज के प्रो. मनोज कुदेशिया तथा मथुरा हेतु किशोरी रमन पीजी कॉलेज के प्रो. प्रवीण अग्रवाल को ऊढडउ की जिम्मेदारी दी गई है।

नामित ऊढडउ अधिकारी संबंधित कॉलेजों के ढढडउ के साथ समन्वय स्थापित कर छात्रों के पंजीकरण, एलएमएस क्रेडेंशियल वितरण और कोर्स की प्रगति पर निगरानी रखेंगे। वित्त अधिकारी तथा विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी प्राचार्यों और विभागाध्यक्षों को विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

**टीएनएफ टुडे** मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
**संपादकः धीरज शर्मा**, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

## सम्पादकीय

### कथा मंचों से आराध्यों की तुलना का नया खेल, धीरेंद्र शास्त्री के बयानों पर मचा घमासान और सोशल मीडिया पर रोटियां सेकने की प्रवृत्ति

धार्मिक कथाओं और प्रवचनों के मंचों से आजकल जिस तरह की हल्की टिप्पणियां और तुलनाएं परोसी जाने लगी हैं, उन्होंने सनातन संस्कृति के मूल स्वरूप पर ही गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री द्वारा भगवान श्री राम और भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप को लेकर दिए गए उस विवादित बयान ने सोशल मीडिया से लेकर मुख्यधारा की राजनीति तक भूचाल ला दिया है जिसमें उन्होंने भगवान कृष्ण की त्रिभंग मुद्रा और स्वरूप को लेकर कटाक्ष किया था। जब देश के संत समाज और कथावाचक ही मंचों से यह तय करने बैठ जाएं कि कौन से भगवान 'सीधे' हैं और कौन से 'टेढ़े', तो यह केवल वैचारिक दिवालियापन नहीं बल्कि सनातन आस्था के साथ एक भद्दा मजाक है। जिस देश में भगवान राम और कृष्ण को एक ही शक्ति के दो अलग-अलग और परम पूज्य स्वरूप माना जाता हो, वहां इस तरह की बचकानी तुलना करके तालियां बटोरने की कोशिश करना अत्यंत निंदनीय है। सबसे बड़ा विडंबना यह है कि जब ऐसे बयान वायरल होते हैं, तो सोशल मीडिया का एक धड़ा बिना सोचे-समझे इसे धार्मिक युद्ध का रूप देने में जुट जाता है और आधे-अधूरे क्लिप्स के जरिए नफरत का बाजार गर्म किया जाता है। एक तरफ वे लोग हैं जो अपनी सस्ती लोकप्रियता और लाइक्स के लिए ऐसे बयानों को बेवजह तूल देते हैं, तो दूसरी तरफ राजनीतिक दल भी इसमें तुरंत कूदकर अपनी रोटियां सेकने और एक-दूसरे को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ते। जब विवाद तूल पकड़ गया और चहुंओर आलोचनाओं का अंबार लग गया, तब जाकर स्पष्टीकरण और माफी मांगने का पारंपरिक दौर शुरू हुआ, जो यह साबित करता है कि बोलने से पहले विचार करने की आदत अब गायब हो चुकी है। धार्मिक मंच प्रवचन, ज्ञान और समाज को जोड़ने के माध्यम होने चाहिए, न कि किटी पार्टी या सोशल मीडिया के व्यूज बढ़ाने के हथकंडे। यदि कथाकार और संत समाज अपनी वाणी पर संयम नहीं रखेंगे, तो सनातन संस्कृति की रक्षा के नाम पर दुकानदारी चलाने वाले ये लोग खुद ही इस महान संस्कृति की जड़ों को खोखला करने का पाप करेंगे।

# राहुल गांधी की कांग्रेसः स्थायी विपक्ष या सत्ता की दावेदार?

बृज खंडेलवाल



क्या राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस हमेशा विपक्ष की राजनीति करती रहेगी, या कभी सत्ता पक्ष की अगली कतार यानी ट्रेजरी बेंच तक पहुंचने का सपना भी देखेगी?

क्या कांग्रेस का मकसद सिर्फ मोदी सरकार को घेरना है, या देश की बागडोर संभालने की तैयारी भी है?

क्या वह चुनाव जीतने वाली पार्टी बनेगी या चुनाव हारकर सवाल पूछने वाली पार्टी बनकर रह जाएगी?

ये सवाल आज कांग्रेस के सामने खड़े हैं। 2029 की लड़ाई अभी दूर है, लेकिन तैयारी का वक्त आ चुका है। कांग्रेस को तय करना होगा कि उसे स्थायी विपक्ष बनना है या सत्ता की मजबूत दावेदार।

2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 99 सीटें जीतकर वापसी के संकेत दिए। 2019 में उसे सिर्फ 52 सीटें मिली थीं। यह निश्चित रूप से राहत की खबर थी। कार्यकताओं में उत्साह लौटा और राहुल गांधी को विपक्ष के एक मजबूत चेहरे के रूप में पहचान मिली। लेकिन सीटें बढ़ना और संगठन का मजबूत होना दो अलग बातें हैं। चुनावी कामयाबी सत्ता की गारंटी नहीं होती।

पब्लिक कमेंटेटर प्रोफ पारस नाथ चौधरी कहते हैं, "कांग्रेस को अब शिकायतों की राजनीति से आगे बढ़ना होगा। मोदी सरकार की आलोचना जरूरी है, लेकिन केवल आलोचना से देश नहीं चलता। जनता महंगाई, बेरोजगारी, किसान संकट और आर्थिक असमानता से परेशान है। उसे यह जानना है कि कांग्रेस इन समस्याओं का इलाज क्या करेगी।"

कांग्रेस को बताना होगा कि सत्ता में आने पर कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के लिए क्या करेगी। सिर्फ यह कहना काफी नहीं कि मौजूदा सरकार नाकाम है। जनता पूछेगी, आप क्या बेहतर करेंगे? हर बड़े वादे के साथ समयसीमा, बजट और जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

सामाजिक कार्यकर्ता विद्या झा कहती हैं, "देश का नौजवान डिग्रियां लेकर घूम रहा है। सरकारी भर्तियां अटकी हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ियां हैं। छोटे उद्योग दम तोड़ रहे हैं। कांग्रेस को रोजगार का ठोस ब्लूप्रिंट देना होगा। पर्यटन, विनिर्माण, कृषि आधारित उद्योग और छोटे कारोबार रोजगार के बड़े स्रोत बन सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई तकनीक से डरने के बजाय युवाओं को इनके लिए तैयार करना होगा।"

दिल्ली के वातानुकूलित कमरों में बैठकर चुनाव नहीं जीते जाते। गांव, कस्बे और बूथ जीतने पड़ते हैं। कांग्रेस को बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकताओं की जरूरत है। गुटबाजी, चाटुकारिता और दरबारी संस्कृति से छुटकारा पाना होगा। टिकट वफादारी देखकर नहीं, जीतने की क्षमता और जनाधार देखकर मिलने चाहिए। चुनाव हारने वाले नेताओं की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और राष्ट्रीय जनता दल जैसे सहयोगियों को छोटा भाई समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। क्षेत्रीय दलों की अपनी ताकत और जनाधार है। गठबंधन अहंकार से नहीं, आपसी सम्मान से चलता है। सीटों के बंटवारे पर आखिरी समय तक खींचतान और सार्वजनिक बयानबाजी से बचना होगा।

क्या कांग्रेस के पास राहुल गांधी के अलावा भी भरोसेमंद चेहरे हैं? अर्थव्यवस्था कौन संभालेगा? विदेश नीति, रक्षा, कृषि, शिक्षा और गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी किसे मिलेगी? जनता को केवल एक नेता का चेहरा नहीं, पूरी टीम चाहिए। कांग्रेस को अनुभवी और सक्षम नेताओं की टोली सामने रखनी होगी। देश को यह भरोसा होना चाहिए कि सत्ता मिलने पर सरकार चलाने वाले लोग तैयार बैठे हैं।

मुफ्त सुविधाओं के वादे करना आसान है, लेकिन सरकारी खजाना कोई अलादीन का चिराग नहीं। किसानों की आमदनी कैसे बढ़ेगी? महंगाई पर लगाम कैसे लगेगी? छोटे उद्योगों को राहत कहां से मिलेगी? निजी निवेश कैसे बढ़ेगा? इन सवालों के व्यावहारिक जवाब देने होंगे।

चीन, पाकिस्तान, आतंकवाद और सीमाओं की सुरक्षा गंभीर विषय हैं। इन पर राजनीतिक बयानबाजी से ज्यादा जरूरी स्पष्ट नीति है। रक्षा आधुनिकीकरण, ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय रिश्तों पर कांग्रेस को अपना नजरिया बताना होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक अखाड़ा बनाने से बचना चाहिए।

सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता जरूरी हैं। संविधान की रक्षा का दावा तभी सार्थक होगा, जब उसके मूल्य व्यवहार में दिखाई दें।

जनता को भारी-भरकम भाषण नहीं, सीधी और सरल भाषा चाहिए। सोशल मीडिया पर शोर मचाने से जनाधार नहीं बढ़ता। नेताओं को गांवों और कस्बों में जाकर लोगों की सुननी होगी। पार्टी के भीतर भी असहमति की जगह होनी चाहिए। हां में हां मिलाने वाले दरबारी नेताओं से घिरे रहना किसी भी नेतृत्व के लिए खतरनाक है। सच्चाई अक्सर चापलूसी की दीवार के बाहर खड़ी मिलती है।

कांग्रेस को साबित करना होगा कि पार्टी किसी एक परिवार की जागीर नहीं है। नेतृत्व का रास्ता योग्यता, मेहनत और जनसमर्थन से खुलना चाहिए। आंतरिक लोकतंत्र केवल संविधान में दर्ज शब्द नहीं, पार्टी की रोजमर्रा की कार्यप्रणाली में दिखना चाहिए। कांग्रेस को अपने पुराने शासनकाल का हिसाब भी देना होगा। भ्रष्टाचार के आरोपों, प्रशासनिक विफलताओं और गलत आर्थिक फैसलों पर सफाई देनी होगी। जो दूसरों से हिसाब मांगता है, उसे अपना बहीखाता भी खोलना चाहिए।

कांग्रेस को यह भी समझना होगा कि विपक्ष की राजनीति और शासन की राजनीति में जमीन-आसमान का फर्क है। विपक्ष सवाल पूछता है, सरकार को जवाब देना पड़ता है। विपक्ष वादे करता है, सरकार को उन्हें पूरा करना पड़ता है। विपक्ष गलतियों पर उंगली उठाता है, सरकार को खुद गलती करने से बचना पड़ता है।

2029 का चुनाव कांग्रेस के लिए एक और इम्तिहान होगा। सवाल केवल कितनी सीटें मिलेंगी, यह नहीं है। असली सवाल है कि क्या पार्टी जनता को वैकल्पिक सरकार का भरोसा दे पाएगी?

कांग्रेस को अब तय करना है कि वह इतिहास की पार्टी बनकर रहना चाहती है या भविष्य की सरकार बनना चाहती है।

लोकतंत्र में विपक्ष होना जरूरी है, लेकिन किसी बड़ी पार्टी का स्थायी विपक्ष बन जाना उसकी राजनीतिक नाकामी है। जनता को कांग्रेस से सिर्फ मोदी का विकल्प नहीं चाहिए। उसे एक ऐसी सरकार का भरोसा चाहिए, जो देश चला सके।

आखिर सवाल यही हैः राहुल गांधी की कांग्रेस सत्ता के दरवाजे पर दस्तक देगी या विपक्ष की बेंच पर बैठकर अगली पीढ़ी को भी इंतजार कराएगी?

## अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

# जब पाताल लोक में यमराज के दरबार में उनके ही दूतों से हार गए थे धर्मराज

श्रीमद्भागवत महापुराण और गरुड़ पुराण के विभिन्न दुर्लभ और अनसुने अध्यायों में मृत्यु के देवता यमराज से जुड़ी यह अत्यंत पावन और रहस्यमयी कथा संपूर्ण सृष्टि में धर्म, कर्म और न्याय के उन गुप्त सिद्धांतों को उजागर करती है जिन्हें आम तौर पर साधारण मनुष्य नहीं समझ पाते हैं।

एक बार पाताल लोक और मृत्यु के लोक में यमराज की सभा में उनके सबसे प्रमुख और बुद्धिमान दूतों के बीच इस बात पर गहरी चर्चा छिड़ गई कि क्या इस संसार में कोई ऐसा भी मनुष्य है जो अपने जीवित रहते हुए ही यमलोक के सभी विधानों को अपनी अद्भुत सेवा और तपस्या से पूरी तरह बदल सकता है। यमराज ने अपने सभी दूतों से कहा कि मृत्यु का अटल नियम इस ब्रह्मांड का सबसे कठोर सत्य है और इसे आज तक कोई भी अपनी मर्जी से नहीं टाल पाया है तथा हर प्राणी को अपने कर्मों का फल भुगतने के लिए समय पर हमारे समक्ष आना ही पड़ता है।

उसी समय पृथ्वी लोक पर एक ऐसा महान संत और परम ज्ञानी भक्त प्रकट हुआ जिसने अपनी असीम करुणा, निरंतर जनसेवा और भगवान की भक्ति से पूरे इलाके के अभागन और दुखी लोगों के जीवन के सारे कष्ट दूर कर दिए थे और उसके प्राण छूटने का समय आ गया था।

जब यमराज के दूत उस महान संत के प्राण लेने के लिए पृथ्वी पर पहुंचे तो वे उस संत के आत्मिक तेज, पवित्र और निष्कलंक कर्मों तथा वहां मौजूद हजारों रोते हुए असहाय लोगों की प्रार्थना को देखकर खुद पूरी तरह भ्रमित हो गए और बिना प्राण लिए वापस लौट आए। यमराज ने जब अपने दूतों को खाली हाथ देखा तो वे स्वयं क्रोधित होकर पाताल लोक से पृथ्वी पर उस संत के प्राण हरने के लिए प्रकट हुए और उन्होंने संत के सामने अपने अमोघ पाश को आगे बढ़ाया। जैसे ही यमराज ने उस संत के समीप जाने का प्रयास किया, वैसे ही उस संत के चेहरे पर एक जरा सा भी भय नहीं आया बल्कि उन्होंने अत्यंत प्रेम से यमराज को ही अपने आसन पर बैठाकर उनका पूजन कर डाला। उस महान संत के इस निश्छल प्रेम, परमार्थ और भगवान के प्रति अटूट समर्पण को देखकर धर्मराज यम का कठोर हृदय भी पिघल गया और उन्होंने अपने ही नियमों में एक ऐतिहासिक बदलाव करते हुए उस संत को लंबी आयु और ब्रह्मलोक का वरदान दे दिया। यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि जो मनुष्य अपने जीवन में अहंकार को त्यागकर सच्ची लोकसेवा और ईश्वर की भक्ति करता है, उसके लिए मृत्यु का भय भी एक पावन वरदान में बदल जाता है।

# तलवे चाटने की महान दिव्य साधनाः नौकरी, ऑफिस, राजनीति और जुगाड़ नीति का रेलम-पेल महाप्रसाद

डॉ0 दीपक गोस्वामी

इस देश में तरक्की के दो रास्ते दिखाई देते हैं। पहला है योग्यता, मेहनत, ईमानदारी और धैर्य का रास्ता, जिस पर चलने वाले अक्सर मंजिल तक पहुँचने से पहले ही थक जाते हैं। दूसरा है चापलूसी, चाटुकारिता, जी-हुजूरी और चरण-वंदना का रास्ता, जिस पर चलने वाले कभी-कभी बिना दौड़े ही दौड़ जीत जाते हैं। पहले रास्ते पर पसीना बहाना पड़ता है, दूसरे पर बस रीढ़ झुकानी पड़ती है। पहले में चरित्र बनता है, दूसरे में चरित्र का प्रमाणपत्र बाँटने वाले मिल जाते हैं।

इसी दूसरी कला का काल्पनिक नाम है—तलवा चाटनम् महायज्ञम्! इसका मूल मंत्र है— साहब प्रसन्न तो भविष्य उज्ज्वल, नेता प्रसन्न तो जीवन सफल, धनवान प्रसन्न तो समाज निहाल!

यह कोई वास्तविक शास्त्रीय साधना नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और संस्थागत जीवन की उस विडंबना पर व्यंग्य है, जहाँ कभी-कभी काम से अधिक काम करने वाले का प्रभाव, योग्यता से अधिक निकटता और सत्य से अधिक प्रशंसा को महत्व मिलने लगता है।

### नौकरी : डिग्री अपनी जगह, जी-हुजूरी अपनी जगह

नौकरी की दुनिया में डिग्री, अनुभव और योग्यता का महत्व अपनी जगह है, लेकिन जहाँ चयन और पदोन्नति में पक्षपात प्रवेश कर जाए, वहाँ प्रतिभा को भी अपनी फाइल के साथ धैर्य की परीक्षा देनी पड़ती है।

मेहनती कर्मचारी समय पर आता है, काम पूरा करता है, नियमों के अनुसार निर्णय देता है और संस्था के हित में अपनी बात रखता है। दूसरी ओर, चापलूस कर्मचारी साहब की पसंद-नापसंद का ऐसा विशेषज्ञ बन जाता है कि साहब के बोलने से पहले ही उनकी बात का समर्थन तैयार रहता है।

साहब कहें, सूरज पश्चिम से निकलेगा, तो जवाब मिलेगा—बिल्कुल सर, आपकी दूरदृष्टि अद्भुत है! साहब कहें, आज मौसम बहुत खराब है, तो चाटुकार कहेगा—सर, आपने तो मौसम की नब्ज भी पहचान ली!

साहब की बात सही हो तो प्रशंसा, गलत हो तो भी प्रशंसा। अंतर केवल इतना है कि सही बात पर सहमति विचार कहलाती है और गलत बात पर सहमति चापलूसी।

कार्यालय में जब काम करने वाले से अधिक काम दिखाने वाले को पुरस्कार मिलने लगे, जब प्रश्न पूछने वाला असुविधाजनक और हर बात पर सिर हिलाने वाला विश्वसनीय कहलाने लगे, तब समझिए कि व्यवस्था में योग्यता के साथ-साथ चमचागिरी का भी प्रवेश हो चुका है। ईमानदार कर्मचारी नियमों की पुस्तक खोलता है। चापलूस साहब के चेहरे की पुस्तक पढ़ता है। पहला समाधान खोजता है, दूसरा संकेत। पहला संस्था को मजबूत करता है, दूसरा अपनी कुर्सी के पाए मजबूत करता है।

और विडंबना देखिए—कभी-कभी मेहनत करने वाले को काम का बोझ मिलता है, जबकि प्रशंसा करने वाले को काम बाँटने का अधिकार!

### राजनीति : जयकारे की प्रयोगशाला

यदि चापलूसी की कोई खुली प्रयोगशाला खोजनी हो, तो राजनीति के कुछ दृश्यों को देखिए। यहाँ जनसेवा के आदर्श भी हैं, संघर्ष करने वाले कार्यकर्ता भी हैं और ऐसे अवसरवादी भी, जिनके लिए विचारधारा से अधिक महत्वपूर्ण सत्ता के गलियारे में प्रवेश है।

नेता जी मंच पर आए नहीं कि जयकारा शुरू। उन्होंने भाषण दिया तो ऐतिहासिक, मुस्कराए तो क्रांतिकारी, हाथ उठाया तो युगांतरकारी और चुप रहे तो उनकी खामोशी भी गहरे संदेश वाली घोषित कर दी गई!

नेता जी कोई निर्णय लें, तो समर्थकों की पहली चिंता यह नहीं कि निर्णय जनहित में है या नहीं। चिंता यह होती है कि उसकी प्रशंसा किस विशेषण से की जाए। अद्भुत, ऐतिहासिक, अभूतपूर्व, दूरदर्शी—विशेषणों की पूरी बारात तैयार रहती है।

वास्तविक कार्यकर्ता जनता के बीच पसीना बहाता है, समस्याएँ सुनता है, संगठन खड़ा करता है और कठिन समय में साथ देता है। अवसरवादी कार्यकर्ता सत्ता की दिशा देखकर अपनी निष्ठा की दिशा बदल लेता है। कल तक जो विरोधी था, आज सबसे बड़ा प्रशंसक है। कल जिस नीति को जनविरोधी बता रहा था, आज उसी में राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य दिखाई देने लगा है।

यहाँ व्यंग्य का प्रश्न है—क्या राजनीति में स्थान सेवा से मिलना चाहिए या सत्ता के आसपास बिताए गए समय से? यदि टिकट, पद और प्रतिष्ठा का आधार जनविश्वास के बजाय निजी निकटता बन जाए, तो लोकतंत्र में कार्यकर्ता पीछे और दरबारी आगे हो सकते हैं। फिर जनता के प्रश्न मंच से दूर रह जाते हैं और मंच पर जयकारों की गूँज इतनी बढ़ जाती है कि जनसमस्याओं की आवाज सुनाई ही नहीं देती।

### जुगाड़ नीति : हर ताले की एक अदृश्य चाबी

जुगाड़ अपने आप में बुरा नहीं। सीमित साधनों में बुद्धिमानी से समाधान निकालना भारतीय जीवन की व्यावहारिक विशेषता है। समस्या तब शुरू होती है, जब जुगाड़ नियमों को दरकिनार करने, अनुचित लाभ लेने और दूसरों का अधिकार छीनने का साधन बन जाता है। ठेका चाहिए, तो योग्यता से अधिक पहचान खोजी जाती है। स्थानांतरण रुकवाना है, तो नियमों के बजाय सिफारिश का दरवाजा खटखटाया जाता है। प्रवेश चाहिए, तो पात्रता से पहले परिचय पूछा जाता है। कहीं काम अटक जाए, तो सवाल उठता है—काम क्या है से पहले, आपका आदमी कौन है? यहीं से व्यवस्था में एक अदृश्य बाजार खड़ा होता है। कोई संबंध बेचता है, कोई प्रभाव, कोई सिफारिश और कोई अपनी कथित पहुँच। काम कराने वाला स्वयं को कुशल प्रबंधक समझता है, जबकि कई बार वह केवल ऐसी व्यवस्था को मजबूत कर रहा होता है जिसमें सामान्य नागरिक को अपने अधिकार के लिए भी किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहारा लेना पड़े। इस बाजार का काल्पनिक विज्ञापन कुछ ऐसा होगा—"काम नियम से हो या पहचान से, चिंता मत कीजिए; हमारे पास हर समस्या के लिए एक मुस्कराता हुआ मध्यस्थ है!" लेकिन प्रश्न यह है कि जिस व्यवस्था में अधिकार पाने के लिए पहचान जरूरी हो जाए, वहाँ बिना पहचान वाला नागरिक आखिर जाए कहाँ?

### चापलूसी के चार स्वाद

इस महायज्ञ के भी अनेक व्यंग्यात्मक स्वाद हैं।

पहला है मीठी चापलूसी—सुबह का संदेश, साहब की प्रशंसा और हर उपलब्धि पर वाह-वाह। संदेश में श्रद्धा इतनी कि पढ़ने वाला स्वयं को महापुरुष समझ बैठे।

दूसरा है भावुक चापलूसी—"सर, आपके बिना हमारा अस्तित्व ही क्या है। आप ही हमारे मार्गदर्शक, आप ही हमारे भाग्यविधाता!" यहाँ संबंध नहीं, निर्भरता का अभिनय होता है।

तीसरा है चुगली वाली चापलूसी—साहब के कान में दूसरे कर्मचारी की शिकायत, उसकी छोटी गलती का बड़ा विवरण और अपनी निष्ठा का प्रमाणपत्र। दूसरों को छोटा दिखाकर स्वयं बड़ा बनने की यह कला कार्यालयी राजनीति का पुराना हथियार है।

चौथा है सामूहिक जयकारा—जहाँ व्यक्ति की उपलब्धियों से अधिक उसके आसपास की भीड़ उसकी महानता का प्रमाण बन जाती है। माला, फूल, तस्वीरें और प्रशंसात्मक संदेशों की बाढ़ में यह पूछने का साहस कम ही दिखाई देता है कि आखिर उपलब्धि है क्या?

समस्या प्रशंसा में नहीं है। सच्ची प्रशंसा व्यक्ति के अच्छे काम का सम्मान है। समस्या उस प्रशंसा में है जो लाभ के लिए की जाए, गलतियों को छिपाए और विवेक को गिरवी रख दे।

### माया का महिमामंडन और समाज का दोहरा चेहरा

धन आवश्यक है। आर्थिक समृद्धि सम्मानजनक जीवन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के अवसर उपलब्ध कराती है। लेकिन धन को ही मनुष्य की योग्यता, चरित्र और महानता का अंतिम प्रमाण मान लेना सामाजिक विवेक की पराजय है। जब किसी की संपत्ति देखकर उसके प्रश्नों को भी सही मान लिया जाए, जब उसकी हैसियत के सामने नियम छोटे पड़ने लगें और जब ईमानदार व्यक्ति की सादगी का उपहास किया जाए, तब समाज को अपने मूल्यांकन की कसौटी पर पुनर्विचार करना चाहिए। यह कहना उचित नहीं कि हर धनवान व्यक्ति बेईमान है या हर ईमानदार व्यक्ति निर्धन। वास्तविकता इससे कहीं अधिक विविध है। प्रश्न धन का नहीं, धन अर्जित करने के तरीके का है; प्रश्न पद का नहीं, पद के उपयोग का है; प्रश्न सफलता का नहीं, सफलता की कीमत का है। व्यंग्य का काल्पनिक सूत्र है—"माया बढ़े तो जय-जयकार बढ़े, और जय-जयकार बढ़े तो महानता का प्रचार बढ़े!" परंतु धन से खरीदी गई प्रशंसा और चरित्र से अर्जित सम्मान में वही अंतर है जो विज्ञापन और सत्य में होता है। विज्ञापन शोर से फैल सकता है, सत्य को अंततः प्रमाण देना पड़ता है।

### सबसे बड़ी कीमत : आत्मसम्मान की किस्तें

चापलूसी का सबसे गहरा नुकसान केवल व्यवस्था को नहीं, चापलूस व्यक्ति को भी होता है। जब कोई व्यक्ति हर समय दूसरों को प्रसन्न रखने के लिए अपनी राय बदलता है, तो धीरे-धीरे उसे अपनी वास्तविक राय व्यक्त करने में ही भय लगने लगता है।

## सितारों की चाल : आपका भविष्यफल

दिनांक 06 नवंबर 2026 शुक्रवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

### शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृष मिथुन कन्या तुला वृश्चिक और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। शुक्रवार का दिन धन की देवी मां लक्ष्मी और जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन माता के मंदिर में जाकर लाल पुष्प और मखान का भोग लगाने तथा श्रीसूक्त का पाठ करने से जीवन के सभी आर्थिक संकट दूर होते हैं और अटूट ऐश्वर्य तथा सुख-संपत्ति की प्राप्ति होती है।

### मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। माता लक्ष्मी को लाल फूल अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

### वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और कला जगत से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में खीर का भोग लगाएं जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

### मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। श्रीसूक्त का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।




### कर्क

आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। मंदिर में सफेद वस्त्र भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

### सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। मां दुर्गा का जलाभिषेक करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

### कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को चावल दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

### तुला

आज कला संस्कृति और सौंदर्य प्रसाधनों से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में इत्र अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

### वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। माता के मंदिर में कमल का फूल चढ़ाएं जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

### धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में घी का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

### मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। शुक्रवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

### कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। दुर्गा चालीसा का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

### मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। माता के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरुआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

### आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शुक्रवार के दिन घर की आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां शुद्ध घी का दीपक जलाने तथा मुख्य द्वार पर मां लक्ष्मी के चरणों की छपाई या शुभ प्रतीक लगाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा माता लक्ष्मी की कृपा से घर में धन-धान्य, वैभव और स्थायी सुख-शांति का वास होता है।

# 2027 चुनाव की तैयारी में जुटा प्रशासन, ज़िलाधिकारी ने मंडी में परखी व्यवस्थाएं

## स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक की तैयारियों का लिया जायजा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2027 के दृष्टिगत जनपद में निर्वाचन संबंधी तैयारियों को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कृषि उत्पादन मंडी समिति मथुरा का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंडी परिसर में निर्वाचन से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों से अब तक की गई तैयारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने मंडी परिसर में उपलब्ध स्थान, भवनों एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का अवलोकन करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के सुरक्षित रख-रखाव हेतु स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल, पोलिंग पार्टियों के रवानगी एवं वापसी स्थल तथा अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यों के लिए उपयुक्त स्थान एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी



- विधानसभा चुनाव से पहले मंडी समिति का निरीक्षण
- ईवीएम सुरक्षा, बैरिकेडिंग और सीसीटीवी व्यवस्था पर जोर
- निर्वाचन तैयारियों में लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का पूर्व से ही आकलन कर लिया जाए, ताकि निर्वाचन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा अथवा समस्या उत्पन्न न हो। मंडी परिसर में सुरक्षा व्यवस्था, बैरियर, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे, प्रकाश व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई एवं आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन एक महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील कार्य है, जिसे स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्वाचन संबंधी तैयारियों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करना होगा।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन संबंधी तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए तथा सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करते हुए समय से आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ0 पंकज कुमार वर्मा, डिप्टी कलेक्टर अखिलेश कुमार, उप जिलाधिकारी सदर मोहित कुमार, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन नीतू सिंह, मंडी सचिव रेनू सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

# खेती -पर्यावरण पर मंथन, 10 को मिला 'ग्रीन गुरु' सम्मान!

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मथुरा में कृषि प्रदर्शनी एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम किया गया। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेश के क्रम में यह प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि प्रीतम सिंह "प्रमुख" जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल के साथ संस्थान के प्राचार्य डॉक्टर धर्मेंद्र शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित और माल्यार्पण कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रीतम सिंह ने बोला कि ह्लकृषि हमें जीवन देती है और पर्यावरण हमें जीने के लिए अनुकूल परिस्थितियां प्रदान करता है।कृषि और पर्यावरण एक दूसरे के पूरक हैं। समृद्ध कृषि और सुरक्षित पर्यावरण ही मानव सभ्यता के सुनहरे भविष्य की नींव हैं।



- 125 शिक्षकों ने प्रदर्शनी में दिखाई प्रतिभा
- 10 शिक्षक और संस्थान ग्रीन गुरु पुरस्कार से सम्मानित
- डीएलएड प्रशिक्षुओं ने भी पेश किए आकर्षक मॉडल

इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र से आए कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर वाई. के.शर्मा ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा टूल है जो सभी वाल्व सही कर देता है। इसका सही प्रयोग तो सब सही हो जाता है।संस्थान के प्राचार्य डॉक्टर धर्मेंद्र शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को शुभाशीष और शुभकामनाएं प्रेषित की। इस प्रदर्शनी के प्रभारी हरेश सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी में जनपद के डीएलएड प्रशिक्षु,बेसिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा विद्यालयों के 125 शिक्षक/शिक्षिका ने प्रतिभाग किया और सम्पूर्ण जनपद से दस ग्रीन गुरु पुरस्कार के लिए शिक्षक, शिक्षिका और समाज सेवी प्रतिष्ठानों को स्थलीय निरीक्षण के बाद चयनित किया गया।

इनको संजीव कुमार सिंह प्रवक्ता सेठ बी एन पोद्दार इण्टर कॉलेज,महाराजा ग्रुप, सात्विक स्टोर के संचालक अरविंद चौधरी, मंजू राजपूत, डॉ.रमेश चंद, योगेंद्र गौतम, राजकुमार और सुभाष को संस्थान द्वारा ग्रीन गुरु पुरस्कार से सम्मानित किया गया।इस प्रदर्शनी में निर्णायक मंडल के सदस्यों नरेंद्र सिंह, रचना बाला और डॉक्टर गौरव गुंजन ने प्रदर्शनी का गहनता से अवलोकन किया जिसके आधार पर बेसिक और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिका में

क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार शिक्षिका सुनीता सिंह, शिक्षक गौरी शंकर, विकास कुमार और मीरा देवी ने प्राप्त किया और डीएलएड प्रशिक्षुओं में क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार प्रांजल एवं टीम, वैशाली, मोना राठौर और तान्या ने प्राप्त किया। सभी सम्मान और पुरस्कार मुख्य अतिथि प्रीतम सिंह प्रमुख के कर कमलों से प्रतिभागियों ने प्राप्त किए। अंत में धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के वरिष्ठ प्रवक्ता जमुना प्रसाद सुमन ने किया। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी प्रवक्ता हरेश सिंह, नरेंद्र सिंह, रचना बाला, डॉ गौरव गुंजन और कृषि वैज्ञानिक डॉ बृजमोहन सिंह एवं डीएलएड प्रशिक्षु करिश्मा, यशस्विनी, अखिल, महेंद्र, कनिष्का और श्रुति का अनुकरणीय योगदान रहा।

# मौत की मिट्टी! अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चालक की दर्दनाक मौत

## ईंट भट्टे पर मिट्टी लेकर जा रहा था ट्रैक्टर-ट्रॉली

- ईंट भट्टे पर मिट्टी ले जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक असंतुलित होकर नहर की पटरी के किनारे पलट गई।
- वाहन के नीचे बुरी तरह दबने से 25 वर्षीय चालक सचिन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।
- क्षेत्र में बेखौफ चल रहे मिट्टी खनन और परिवहन पर जिम्मेदारों की चुप्पी से बड़ा हादसा हुआ।
- सूचना पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी की मदद से शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।



**पिनाहट।** खेत से मिट्टी लेकर ईंट भट्टे पर खाली करने जा रहे ट्रैक्टर ट्राली के अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलटने से चालक की दबकर दर्दनाक मृत्यु हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना पिनाहट क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मिट्टी खनन और परिवहन चल रहा है। ये वैद्य है। या अवैध इसका आंकलन खनन विभाग को करना चाहिए। किन्तु कई महीनों से चल रही मिट्टी खनन पर खनन विभाग ने कोई ध्यान नहीं दिया है। यही कारण है। कि इस बेलगाम हो चुके कारोबार ने एक मासूम के सिर से पिता का साया ही छीन लिया है। बुधवार शाम करीब पांच बजे थाना पिनाहट के झोरियन निवासी सचिन पुत्र ख्यालीराम उम्र करीब 25 वर्ष ट्रैक्टर ट्राली में मिट्टी भरकर अरनोटा स्थिति ईंट भट्टे पर ले जा रहा था। तभी मर्दान पुरा स्थिति नहर की पटरी पर ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। जिसमें नीचे दबकर चालक सचिन की मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी की सहायता से शव को बाहर निकाल कर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

# सुल्तानपुरा में ज्वैलर्स के यहां से लाखों के गहने पार करने वाली महिला ग्वालियर से गिरफ्तार

## पुलिस ने खंगाले दो सौ सीसीटीवी कैमरे, बहु के इलाज को एक बार बनी चोर तो फिर आदत नहीं गई

**आगरा।** थाना सदर के अंतर्गत सुल्तानपुरा स्थित ज्वैलर्स के यहां से सोने के गहनों का डिब्बा लेकर फरार हुई महिला को पुलिस ने चौथे दिन ग्वालियर से गिरफ्तार कर लिया। पता चला है कि पकड़ी गई महिला अलग-अलग शहरों में ज्वैलर्स की दुकानों को निशाना बनाती थी। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 30 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बहू के इलाज के लिए लिया गया सात लाख रुपये का कर्ज इस महिला को अपराध की दुनिया में ले गया। बहू की मौत के बाद कर्ज चुकाने के लिए उसने चोरी का रास्ता अपनाया। शुरूआत में मजबूरी में की गई चोरी धीरे-धीरे उसकी आदत बन गई। कर्ज पूरा चुकाने के बाद भी उसके हाथों से चोरी नहीं छूटी और वह अलग-अलग शहरों में ज्वैलर्स की दुकानों को निशाना बनाने लगी।



महिला की गिरफ्तारी के लिए थाना सदर पुलिस को करीब दो सौ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी पड़ी। सराफा बाजार से शुरू हुई जांच रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और हाईवे तक पहुंची। एक-एक कैमरे की फुटेज जोड़ते हुए पुलिस टीम महिला के पीछे-पीछे ग्वालियर तक पहुंच गई। आज चार नवंबर को मुखबिर की सूचना पर रेलवे कॉलोनी के पास घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

गौरतलब है कि विगत 31 अक्टूबर को थाना सदर बाजार क्षेत्र के सुल्तानपुरा सराफा बाजार स्थित एक ज्वैलर्स की दुकान पर महिला ग्राहक बनकर पहुंची थी। उसने दुकान पर सामान्य ग्राहक की तरह व्यवहार किया, जिससे दुकानदार को उस पर कोई शक नहीं हुआ। इसी दौरान उसने मौका देखकर सोने की चूड़ियों के पांच सेट से भरा डिब्बा पार कर दिया और भीड़ का फायदा उठाकर वहां से निकल गई। कुछ देर बाद दुकानदार को आभूषणों का डिब्बा गायब होने की जानकारी हुई तो दुकान में खलबली मच गई। दुकानदार ने थाना सदर बाजार में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। चोरी गए आभूषणों की कीमत करीब 18 लाख रुपये बताई गई थी

पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया कि महिला ने वारदात को अचानक अंजाम नहीं दिया था। वह कई दिनों से सराफा बाजार में घूम रही थी और दुकान की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। उसने पहले बाजार की रेकी की और फिर ग्राहक बनकर दुकान में पहुंची। मौका मिलते ही चूड़ियों से भरा डिब्बा लेकर फरार हो गई मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर बाजार थाना पुलिस के साथ सर्विलांस सेल और एसओजी नगर जोन की टीम को भी लगाया गया। महिला की पहचान और लोकेशन का पता लगाने के लिए पुलिस ने सराफा बाजार से लेकर रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और हाईवे तक करीब दो सौ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। अलग-अलग स्थानों की फुटेज को जोड़कर पुलिस ने महिला के भागने का रास्ता तलाशा। जांच की कड़ियां जोड़ते हुए पुलिस टीम ग्वालियर तक पहुंच गई।

# बिजली बेपटरी, बुआई पर ब्रेक!, पिनाहट में 'अंधेरे' में किसान, एमडी के दरबार पहुंचे प्रधान

**पिनाहट।** फसलों की बुवाई के लिए समुचित मात्रा में बिजली नहीं मिल पाने के कारण बुवाई में हो रही देरी की समस्या को लेकर प्रधान ने दक्षिण के एमडी से मुलाकात करो शिकायत पत्र देकर किसानों समुचित बिजली व्यवस्था की मांग की है।

बुधवार को दीपावली प्रधान एवं प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष देवानंद परिहार ने दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्रुति सिंह को कार्यालय पर लिखित शिकायत पत्र देकर मांग की है। कि अवगत कराया कि इस समय फसलों की बुवाई का समय चल रहा है।

ऐसे में किसानों को खेतों की सिंचाई करनी है। किन्तु प्रतिदिन 4 से पांच घंटे भी नलकूपों को बिजली मिलने के कारण फसलों की सिंचाई नहीं हो पाने के कारण बुवाई में देरी हो रही है। जिस कारण किसान बहुत परेशान हैं। किसानों को समय रहते समुचित बिजली उपलब्ध कराई जाए। जिससे फसलों की बुवाई समय से हो सके।

प्रधान ने बताया कि एम डी ने समस्या के जल्द समाधान का भरोसा दिलाया है।

# दुवासु का अंतरराष्ट्रीय मंच पर डंका, 5 अवॉर्ड और गोल्ड मेडल पर कब्जा

## वैज्ञानिक को फेलोशिप, शोधार्थियों ने भी लहराया परचम।



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- आंध्र प्रदेश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दुवासु का शानदार प्रदर्शन
- डॉ. श्रीप्रकाश सिंह को मिला प्रतिष्ठित फेलो ऑफ आईएवीए सम्मान
- तीन शोधार्थियों ने हासिल किए पांच सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार और गोल्ड मेडल

अत्याधुनिक शोध संसाधनों के विकास और अकादमिक उत्कृष्टता की नीति के चलते दुवासु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर लगातार नई ऊँचाइयाँ छू रहा है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासु), मथुरा के पशु चिकित्सा शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग के वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है।

यह गौरवमयी उपलब्धि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति के प्रेरणादायी नेतृत्व और दूरदर्शी सोच का प्रतिफल है। उनके सतत प्रोत्साहन, एन.टी.आर. पशु चिकित्सा महाविद्यालय, गन्नावर्म (आंध्र प्रदेश) में 28 से 30 अक्टूबर 2026 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (अअश्अउडठ-2026) में दुवासु के प्रतिनिधियों का दबदबा रहा। सम्मेलन के दौरान विभाग के अध्यक्ष डॉ. श्रीप्रकाश सिंह को पशु चिकित्सा शरीर रचना विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित "फेलो ऑफ आईएवीए" की उपाधि से अलंकृत किया गया।

इसके साथ ही, शोध पत्र प्रस्तुतीकरण में दुवासु के शोधार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कुल 5 सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार तथा गोल्ड मेडल अपने नाम किए। पुरस्कार प्राप्त करने वाले मेधावी शोधार्थियों में

डॉ. अंकुर पांडेय (पीएचडी शोधार्थी)

डॉ. संदीप शर्मा (पीजी छात्र)

डॉ. दीपक नेहरा (पीजी छात्र) शामिल थे।

यह सफलता विश्वविद्यालय के कुशल नेतृत्व, विभाग के उत्कृष्ट शैक्षणिक मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण शोध कार्यों तथा विद्यार्थियों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

# 25 साल बाद भी अधिवक्ता लाठीचार्ज का हिसाब अधूरा, डीजीपी ने आगरा के पुलिस आयुक्त से मांगी रिपोर्ट

**आगरा।** जनपद न्यायालय दीवानी परिसर में अधिवक्ताओं पर 26 सितंबर, 2001 को हुए लाठीचार्ज के 25 साल बाद फाइलें फिर खुली हैं। अधिवक्ता नरेश कुमार पारस की आरटीआई पर डीजीपी मुख्यालय ने आगरा पुलिस आयुक्त को पत्र भेजा है। सूचना संग्रह के लिए आयुक्त कार्यालय से एसीपी कोतवाली को नामित किया गया है यह जानकारी देते हुए नरेश पारस ने बताया कि उन्होंने 11 सितंबर, 2026 को गृह विभाग से जस्टिस गिरधर मालवीय आयोग की संपूर्ण रिपोर्ट, अ्रद्धल्ल ळं ल्ल फीस्रद्ध१३, दोषी अधिकारियों की नामवार सूची, विधानसभा में रिपोर्ट रखे जाने का रिकॉर्ड और दोषियों के विरुद्ध विभागीय व न्यायिक कार्रवाई की वर्तमान स्थिति मांगी थी। गृह विभाग ने 21 सितंबर को आवेदन डीजीपी कार्यालय भेजा। सूचना न मिलने पर



21 अक्टूबर को प्रथम अपील हुई। इसके बाद 27 अक्टूबर को डीजीपी कार्यालय ने आगरा आयुक्त को पत्र भेजा घटना आगरा में ही हुई थी, इसलिए स्थानीय पुलिस के पास तत्कालीन रिपोर्ट, ड्यूटी-तैनाती रिकॉर्ड, पत्राचार और विभागीय जांच की फाइलें उपलब्ध हो सकती हैं। इनसे यह पता चलेगा कि घटना के बाद स्थानीय स्तर पर क्या कार्रवाई हुई और शासन को क्या रिपोर्ट भेजी गई

आयोग ने तत्कालीन वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका पर प्रतिकूल निष्कर्ष और कार्रवाई की संस्तुति की थी, लेकिन उस पर क्या कार्रवाई हुई, इसका आधिकारिक विवरण अब तक सामने नहीं आया है। अधिवक्ता हर साल 26 सितंबर को काला दिवस मनाते हैं सवाल वही है - रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं हुई, दोषियों पर क्या कार्रवाई हुई और 25 साल बाद भी आरटीआई-अपील क्यों करनी पड़ रही है

# दुकानदार पर चाकू से हमला, मुकदमा दर्ज

**पिनाहट।** थाना छेत्र में साइकिल दुकान पर बैठे दुकानदार वीर बहादुर पर 19 अक्टूबर शाम 6:30 बजे दबंगों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया।आरोप है कि लवकुमार, अनिकेत व 3 अज्ञात साथी लाठी-डंडा, चाकू लेकर दुकान में घुसे और हमला कर दिया। चाकू आंख में लगने से वीर बहादुर गंभीर घायल हुआ। बचाने आए पिता पर भी हमला हुआ। पिनाहट पुलिस ने संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

# कार की टक्कर से पिता और जीजा की मौत, अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

**पिनाहट।** थाना बसई अरेला क्षेत्र में दो सप्ताह पूर्व हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। गांव महगोली निवासी आलोक तिवारी के पिता श्रीनिवास और जीजा राजेश 19 अक्टूबर को मोटरसाइकिल से फतेहाबाद जा रहे थे। नगला भरी के पास सड़क किनारे खड़े होकर भतीजे गोपाल से बातचीत कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार कार ने तीनों को टक्कर मार दी। हादसे में श्रीनिवास और राजेश की मौके पर मौत हो गई, जबकि गोपाल गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# त्योहारों पर हुड़दंग किया तो सीधे जेल जाएंगे, सड़कों पर उतरे एसपी

## पुलिस बल के साथ बाजारों में की पैदल गश्त

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। बुधवार को पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह भारी पुलिस बल के साथ शहर की सड़कों पर उतरे और प्रमुख बाजारों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों, राहगीरों और यात्रियों से संवाद कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

एसपी की अगुवाई में पैदल गश्त सोरों गेट पुलिस चौकी से शुरू होकर बाराद्वारी, घंटाघर और माल गोदाम चौराहा होते हुए रोडवेज बस स्टैंड तक पहुंची। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की गई। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।



- सोरों गेट से घंटाघर और रोडवेज तक पुलिस का पैदल मार्च
- बाजारों में संदिग्धों की तलाशी, दुकानदारों से किया संवाद
- निर्धारित स्थानों पर ही लगेंगी पटाखों की दुकानें
- त्योहारों पर जाम रोकने के लिए लागू होगा विशेष ट्रैफिक प्लान

एसपी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों और हुड़दंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जाएगा। पुलिस की खुफिया टीमें और गश्ती दल लगातार निगरानी करेंगे। पैदल गश्त में अपर पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार, सीओ सिटी आंचल चौहान समेत पुलिस बल मौजूद रहा।

एसपी ओपी सिंह ने बताया कि त्योहारों पर पटाखों की दुकानें केवल प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही लगेंगी। दुकानदारों को सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा। अभिभावकों से बच्चों को अपनी निगरानी में पटाखे चलवाने की अपील की गई। त्योहारों के दौरान जाम से बचने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान भी लागू किया जाएगा।

# बेकाबू कैंटर ने बाइक को मारी टक्कर, महिला की दर्दनाक मौत

## बेटे के साथ घर लौट रही थी महिला, अलीगढ़ ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम

टीएनएफ टुडे, सिकंदरपुर वैश्य।

थाना क्षेत्र के पटियाली-नदौली मार्ग पर मंगलवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डीजल कैंटर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इलाज के लिए अलीगढ़ ले जाते समय रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के गांव नगला कुंडरी निवासी सर्वेश देवी (52) पत्नी अतर सिंह मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे अपने बेटे जगवीर के साथ बाइक से पटियाली से अपने घर लौट रही थीं। जैसे ही वे नदौली के पास पहुंचे, तभी



- पटियाली-नदौली मार्ग पर पीछे से कैंटर ने मारी जोरदार टक्कर
- हादसे में मां-बेटे सड़क पर गिरे, महिला गंभीर रूप से हुई घायल
- छह बेटों और दो बेटियों को रोता-बिलखता छोड़ गई सर्वेश देवी

पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित डीजल कैंटर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगते ही मां-बेटा सड़क पर गिर पड़े, जिसमें सर्वेश देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर जुटे परिजनों व स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल मांट (मामो) में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजन उन्हें अलीगढ़ ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही सर्वेश देवी ने दम तोड़ दिया।

**परिजनों में मचा कोहराम, थाने में तहरीर दी**

महिला की मौत की खबर मिलते ही गांव नगला कुंडरी स्थित घर में कोहराम मच गया। मृतका अपने पीछे बेटों धर्मवीर (27), जगवीर (25), प्रशांत (23), कुलदीप (18), निशांत (16) और बेटियों सरिता व सुषमा को रोते-बिलखते छोड़ गई हैं।

परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम गृह भेज दिया। पीड़ित परिवार ने आरोपी कैंटर चालक के खिलाफ थाने में तहरीर दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई कर रही है।

# खाद की कालाबाजारी पर एडीएम का छापा! समितियों में मचा हड़कंप

## ओवररेटिंग और जबरन टैगिंग पर कार्रवाई की चेतावनी

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

रबी सीजन के मुख्य दौर में किसानों को यूरिया और डीएपी (ऊअढ) खाद की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सख्त हो गया है। बुधवार को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने जिला कृषि अधिकारी के साथ क्षेत्रीय सहकारी समिति सोरों और गोरहा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समितियों पर उपलब्ध उर्वरक के स्टॉक, वितरण रजिस्टर और रेट बोर्ड का गहनता से अवलोकन किया।

अपर जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान समिति सचिवों और संबंधित कर्मचारियों को कड़े शब्दों में हिदायत दी कि शासन द्वारा तय दरों पर ही किसानों को यूरिया, डीएपी व अन्य उर्वरकों का वितरण किया जाए।

पारदर्शिता अनिवार्यः वितरण प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए और किसानों को खाद के लिए कतारों में न भटकना पड़े।

टैगिंग पर सख्त मनाहीः किसी भी किसान को खाद के साथ जबरन कोई अन्य अनावश्यक उत्पाद या रसायन खरीदने के लिए मजबूर न किया जाए (टैगिंग न हो)।

रेट व स्टॉक बोर्ड अद्यतन रखेंः

- खाद की सरकारी दरों से ज्यादा वसूली तो होगी कार्रवाई
- किसानों को खाद के साथ दूसरा सामान थमाने पर रोक
- गोरहा समिति में ऊअढ की किल्लत दूर करने के निर्देश

समितियों के बाहर लगे स्टॉक एवं रेट बोर्ड पर खाद की दैनिक उपलब्धता और सरकारी बिक्री दरें स्पष्ट रूप से दर्ज होनी चाहिए।

निरीक्षण के क्रम में अपर जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय सहकारी समिति गोरहा में डीएपी खाद की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया और समिति सचिव को निर्देश दिया कि डिमांड के अनुरूप डीएपी की उपलब्धता जल्द से जल्द सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों की बोनी प्रभावित न हो।

जांच के दौरान जो भी प्रशासनिक या कागजी कमियां सामने आईं, उन्हें तत्काल प्रभाव से दुरुस्त करने की अंतिम चेतावनी दी गई है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई भी खाद विक्रेता निर्धारित दर से अधिक वसूली करता है या खाद के साथ अन्य सामग्री टैग करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# शिकोहाबाद पैसेंजर ट्रेन के कोच में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, मचा हड़कंप

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

कासगंज रेलवे स्टेशन पर मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि एक पैसेंजर ट्रेन के कोच में करीब 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। रेलवे पॉइंट्समैन की सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, शिकोहाबाद पैसेंजर ट्रेन (संख्या 55351) के एक कोच में व्यक्ति का शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को नीचे उतरवाया।

- कासगंज रेलवे स्टेशन पर आधी रात को मिला शव
- पॉइंट्समैन की सूचना पर मौके पर पहुंची जीआरपी
- शिनाख्त के लिए 72 घंटे मोर्चरी में रखा गया शव

मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष, कद लगभग पांच फीट दो इंच और रंग सांवला है। उसका चेहरा पिचका हुआ तथा सिर पर छोटे काले बाल हैं। मृतक ने क्रीम रंग की फुल बाजू की शर्ट, भूरे रंग की सैंडो बनियान, नीले रंग की जैकेट, चॉकलेटी रंग का लोअर और भूरे रंग का अंडरवियर पहन रखा था।

जीआरपी थाना प्रभारी कोमल कुंतल ने बताया कि मृतक के पास से पहचान से संबंधित कोई दस्तावेज या अन्य सामान नहीं मिला है। पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर ली गई है। मृतक की पहचान के लिए फोटो सोशल मीडिया और आसपास के थानों एवं जनपदों में भेजी जा रही है। नियमानुसार शव को 72 घंटे तक मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। इसके बाद नियमानुसार पोस्टमार्टम और अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मृतक की पहचान करने के प्रयास में जुटी है।

# दीपावली मेले में दिखा टैलेंट का जलवा!

## बच्चों का हुनर देख दंग रह गए मेहमान

- चाट-पकवान से लेकर गेम्स तक, बच्चों ने सजाई अपनी दुकानें
- हस्तनिर्मित कलाकृतियों में दिखी विद्यार्थियों की रचनात्मकता
- मुख्य अतिथि डॉ. अनीता उपाध्याय ने की बच्चों की

टीएनएफ टुडे, कासगंज।



कृष्ण पब्लिक स्कूल खंजी नगला, सोरों रोड, कासगंज में बुधवार को दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में भव्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मकता, हुनर और व्यावहारिक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. अनीता उपाध्याय, जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा, विद्यालय के प्रबंधक निसीथ गर्ग, सुभाष चंद्र गर्ग, सहायक निदेशक कुंवर कृष्ण गर्ग एवं प्रधानाचार्या श्रीमती ज्योति अग्रवाल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। दीपावली मेले में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के चाट-पकवान, फास्ट फूड, हस्तनिर्मित कलाकृतियों और मनोरंजक खेलों के आकर्षक स्टॉल लगाए गए।

इन स्टॉलों के माध्यम से बच्चों ने न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि प्रबंधन, व्यवहारिक ज्ञान और आत्मनिर्भरता का भी परिचय दिया। मेले में पहुंचे अभिभावकों एवं अतिथियों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की। मुख्य अतिथि डॉ. अनीता उपाध्याय ने विद्यार्थियों के उत्साह, मेहनत और रचनात्मकता की प्रांसा करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

# जहरीला पदार्थ निगलने से युवक की हालत बिगड़ी

## जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रेफर

टीएनएफ टुडे, सोरों।

थाना क्षेत्र के गांव गुड़गुडी बुधवार की सुबह खेत से काम कर वापस लौटे 43 वर्षीय सुरेश चंद्र पुत्र दयाराम सिंह ने अज्ञात कारणों के चलते कथित तौर पर विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, सुरेश चंद्र बुधवार सुबह करीब 11 बजे अपने खेत से घर लौटे थे। कुछ ही देर बाद उन्होंने यह



खौफनाक कदम उठा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। फिलहाल मेडिकल कॉलेज में उनका उपचार जारी है।

# सांड़ ने पटक-पटककर मार डाला, दो बच्चों के सिर से उठा मां का साया

## आवारा सांड़ का हमला, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

टीएनएफ टुडे, अमापुर।

थाना क्षेत्र के गांव जारई में मंगलवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। खेत पर शौच के लिए गई 26 वर्षीय महिला पर एक आवारा सांड़ ने हमला कर दिया। सांड़ के पटक-पटककर गंभीर रूप से घायल करने के बाद परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है और दोनों मासूम बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गांव जारई निवासी रोहित की 26 वर्षीय पत्नी कृष्णा मंगलवार शाम करीब पांच बजे गांव के ही पास अपने खेत पर शौच के लिए गई थीं। इसी दौरान वहां पहुंचे एक आवारा सांड़ ने अचानक उन पर हमला कर दिया और उन्हें बुरी तरह पटक दिया।

घटना की भनक लगते ही परिजन आनन-फानन में मौके पर पहुंचे और लहूलुहान हालत में



- शौच के लिए खेत पर गई थी 26 वर्षीय कृष्णा
- सांड़ के हमले में गंभीर घायल हुई महिला, अस्पताल में तोड़ा दम
- छह साल की बेटी और पांच साल का बेटा हुए अनाथ

कृष्णा को जिला अस्पताल लेकर दौड़े। हालांकि, अस्पताल के चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की अचानक हुई इस मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतिका अपने पीछे छह साल की बेटी मानवी और पांच साल के बेटे मानव को रोता-बिलखता छोड़ गई है। मां के आंचल की छांव छिन जाने से दोनों मासूमों का भविष्य अधर में लटक गया है।

घटना की सूचना मिलते ही अमापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतिका के शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरवाया और पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। इलाके में आवारा पशुओं के आतंक से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

# फूलों की बारिश, जय श्रीराम के जयकारे

## शाही ठाठ से निकली प्रभु श्रीराम की राजगद्दी!

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

सहावर में श्री रामलीला मेला कमेटी के तत्वावधान में भगवान श्री राम की भव्य राजगद्दी शोभायात्रा निकाली गई। जगह-जगह पुष्पवर्षा से शोभायात्रा का स्वागत हुआ। इस दौरान जय श्रीराम के जयकारों से सड़कें गुंजायमान रहीं। लोगों ने राम दरबार पर पुष्पवर्षा कर आरती उतारी।इसमें सबसे आगे विजय पताका लिए लोग चल रहे थे। रथ पर भगवान राम, जानकी, लक्ष्मण विराजमान थे। भरत, शत्रुघ्न,



हनुमान, सुग्रीव, अंगद और मां काली, भगवान शंकर, देवी पार्वती, काली का आखाड़ा आदि झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। प्रमुख मार्गों से होते हुए शोभायात्रा गंज त्रिपोलिया पर संपन्न हुई। यात्रा के बीच में रामलीला कमेटी के संरक्षक और कमेटी के पदाधिकारी थाना प्रभारी एवं मीडिया का स्वागत सम्मान सहित सभी को पुष्पमाला पहनाकर प्रतीक चिन्ह प्रदान कर श्रद्धा के साथ स्वागत किया। राजगद्दी शोभायात्रा का शुभारंभ अनिल गुप्ता ने फीता काट कर किया। शोभा यात्रा गंज रोड स्थित बडी माता मंदिर से प्रारंभ हुई। जो स्टेट बैंक चौराहा में चौराहा रेलवे रोड सोरों रोड बडा बजार आदि से गुजरकर रामलीला मंच पर पहुंची।

- राम दरबार के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु
- पुष्पवर्षा और आरती से हुआ भव्य स्वागत
- राम के राजतिलक की लीला के साथ रामलीला का समापन

रात में मोहल्ला कटरा बाजार में श्रीराम के राजतिलक की लीला के साथ पिछले तीन सप्ताह से चल रहे श्री रामलीला मंचन कार्यक्रमों का समापन हो गया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए थाना प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम मय पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे। इस शुभ अवसर पर राम लीला कमेटी संरक्षक शिशुपाल वार्ष्णेय,अनिल गुप्ता, कमेटी अध्यक्ष सचिन गुप्ता, नवीन वार्ष्णेय, गौरव वार्ष्णेय सोनू, शिव कुमार टेलर, विवेक मौजूद रहे ।

# मुफ्त राशन की तारीख तय, भर्ती की डेडलाइन बढ़ी

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

जनपद के राशन कार्डधारकों और आंगनबाड़ी भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बुधवार का दिन राहत भरी खबरें लेकर आया। एक ओर जिला पूर्ति विभाग ने 6 नवंबर से निःशुल्क खाद्यान्न वितरण की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है, तो दूसरी ओर जिला प्रशासन ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के रिक्त पदों पर आवेदन की अंतिम तिथि को आगे बढ़ा दिया है।

जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि जनपद की सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों पर 06 नवंबर से

- 6 नवंबर से राशन का वितरण शुरू
- अंत्योदय कार्ड पर 35 किलो अनाज
- आंगनबाड़ी भर्तीः 14 तक आवेदन

30 नवंबर 2026 तक निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण किया जाएगा। राशन का वितरण प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक और दोपहर 2:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक होगा।

पारदर्शिता और पोर्टेबिलिटी की सुविधा

वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने के लिए प्रत्येक उचित दर दुकान पर नोडल अधिकारी की तैनाती रहेगी। ई-पॉश मशीन से निकलने वाली पर्ची पर सामग्री का मूल्य शून्य अंकित रहेगा। उपभोक्ता पोर्टेबिलिटी सुविधा के तहत स्टॉक की उपलब्धता के अनुसार किसी भी दुकान से राशन ले सकेंगे। जिन कार्डधारकों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण (फिंगरप्रिंट) सफल नहीं हो पाएगा, उन्हें 30 नवंबर को मोबाइल ओटीपी (ऊळढ) सत्यापन के माध्यम से राशन दिया जाएगा।

जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी कार्डधारकों से समय पर राशन प्राप्त करने की अपील की है। किसी भी समस्या के निवारण हेतु संबंधित क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी या पूर्ति निरीक्षक से संपर्क किया जा सकता है।

जिले में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया के तहत आवेदन से चूके अभ्यर्थियों को बड़ा अवसर मिला है। जिलाधिकारी प्रणय सिंह के अनुमोदन के बाद ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 14 नवंबर 2026 कर दिया गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि से पूर्व अपना आवेदन पत्र अवश्य पूर्ण कर लें और आवेदन से पूर्व सभी आवश्यक दिशा-निदेशों का भली-भांति अवलोकन कर लें।



# पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं

**ऊर्जा का अहम स्त्रोत होने के नाते पेट्रोलियम की उपयोगिता से सभी वाकिफ हैं। भारत म पदार्थों की रूरत का बड़ा देश से आयात । अगर आंकड़ों तो पेट्रोलियम उपयोग में श्व का आठवां बड़ा देश है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, रिलायंस, इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों से सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलता है।**

### संभावनाएं

पहले इस क्षेत्र में जियोलॉजिस्ट की काफी मांग थी, समय बदलने के साथ मैकेनिकल क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। करियर की अनेक संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर इंजीनियरिंग तक के कोर्स शुरू हुए हैं।

### कोर्स

पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी ने बीबीए, एमबीए, एमटेक, बीटेक, एमएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। इसके अलावा देश के चुनिंदा संस्थानों ने पेट्रोलियम के क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमएससी और बीएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। ये सभी कोर्स पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोटेक्नोलॉजी, गैस इंजीनियरिंग, पेट्रोमार्केटिंग आदि में शुरू किए हैं।

### योग्यता

बारहवीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान से 50 प्रतिशत अंकों से पास करने के बाद आप इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैमिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक कर चुके छात्र पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एमटेक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए बारहवीं किसी भी संकाय से उत्तीर्ण होना जरूरी है।

### स्टडी कोर्स

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में छात्र जियोलॉजी, भौतिकी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों द्वारा पेट्रोलियम की रिकवरी, डेवलपमेंट और प्रोसेसिंग के बारे में जानते हैं। इसके अलावा ड्रिलिंग, मैकेनिक्स, पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम जैसे विषयों पर छात्रों की पकड़ बनाई जाती है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री को मुख्य तौर पर दो भागों में बांट कर देख सकते हैं- अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सेक्टर। अपस्ट्रीम सेक्टर में खोज, उत्पादन व तेल और प्राकृतिक गैसों का दोहन कैसे किया जाए, इसकी शिक्षा व ट्रेनिंग दी जाती है। डाउनस्ट्रीम सेक्टर में रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण से संबंधित पूरी जानकारी दी जाती है। पेट्रोलियम के क्षेत्र में टीम की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। एक पेट्रोलियम इंजीनियर को जियोलॉजिस्ट, अन्वेषणकर्ता, इंजीनियर, पर्यावरण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ काम करना पड़ता है।

### अवसर

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लगभग आठ लाख लोगों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र अवसरों से भरा पड़ा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के द्वार आपके लिए खुले हैं। जिस तरह पेट्रोल के नए भंडार और क्षेत्र मिल रहे हैं, उससे यह क्षेत्र आने वाले समय में बड़ा लाभकारी साबित होगा।

### संस्थान

- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
- डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, असम
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, इंस्टीटयूट ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज एंड कैमिकल इंजीनियरिंग, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, दिल्ली
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
- डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी सागर, मध्य प्रदेश
- महाराष्ट्र इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, महाराष्ट्र





**ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।**



# फाइन आर्ट्स में मिलेंगे बेहतरीन कॅरियर विकल्प

**क्या** आप स्केचिंग, ड्राइंग और रचनात्मकता करना पसंद करते हैं? यदि हां, तो फिर ललित कला में अध्ययन आपके लिए अनुकूल होगा। ललित कला कला का एक अच्छा संग्रह है जो सुंदर चीजों को बनाने के लिए किया जाता है। ललित कला में स्नातक आपको ललित कला में कॅरियर के लिए सर्वश्रेष्ठ रूप से तैयार कर सकता है।

ललित कला स्नातक क्या है?

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

अधिकांश कार्यक्रमों में रचनात्मक अभ्यास के घंटों के साथ-साथ कक्षा निर्देश शामिल हैं। अंतत:, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री आपको कला में विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों के साथ एक अच्छी तरह से शिक्षा प्रदान करती है। मुख्य ललित कलाएं फिल्म, नृत्य, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वास्तुकला, मिट्टी के बर्तन, वैचारिक कला, मूर्तिकला, संगीत, प्रिंटमेकिंग, इंटीरियर डिजाइन और नाटक हैं। यह छात्रों को कलाकार बनने और कला के निर्माण से जुड़ी अन्य प्रथाओं का पालन करने के लिए सिखाता है और तैयार करता है। अरस्तू के अनुसार, ''कला का मुख्य उद्देश्य चीजों की बाहरी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करना है, बल्कि उनके आंतरिक महत्व का भी प्रतिनिधित्व करना है''।

### पाठ्यक्रम और अवधि

ललित कला पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो विभिन्न संस्थानों द्वारा पेश किए जाते हैं। आप ललित कला में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों की अवधि 1 से 5 वर्ष तक होती है।

### डिप्लोमा कोर्स

**ललित कला में डिप्लोमा :** यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। यह कोर्स 12वीं के बाद किया जा सकता है।

**स्नातक के अंतर्गत का पाठ्यक्रम :**

**बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) या बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स (बीवीए) :** इस कोर्स की अवधि 4 से 5 साल है।

**ललित कला में कला स्नातक (बीए) :** यह तीन साल की अवधि का कार्यक्रम है।

### परास्नातक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) या मास्टर इन विजुअल आर्ट्स (एमवीए) : यह दो साल की अवधि का कार्यक्रम है।
- ललित कला में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) : इस पाठ्यक्रम की अवधि आम तौर पर दो वर्ष की होती है।
- कुछ संस्थान पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। दो प्रसिद्ध संस्थान इग्नू, दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग पत्राचार में ललित कला पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

### ललित कला में आवश्यक कौशल

- आपके द्वारा बनाई गई ड्राइंग आगंतुक की नजर में यथार्थवादी होनी चाहिए।
- आपको कला सामग्री और उनका उचित उपयोग कैसे करना है, इसकी जानकारी होनी चाहिए।
- अपने काम की प्रस्तुति और प्रदर्शन उचित तरीके से और सटीक होना चाहिए।
- आपके पास रचनात्मकता होनी चाहिए।
- रंग और रंग सिद्धांत के साथ प्रयोग की जाने वाली तकनीकें होनी चाहिए।
- संचार और पारस्परिक कौशल आपके भीतर मौजूद होनी चाहिए।
- आपको कुछ नवीनतम तकनीकों के साथ उपयोग किए जाने वाले सभी डिजिटल मीडिया का ज्ञान होना चाहिए।

### प्रमुख जॉब प्रोफाइल इस प्रकार हैं :

- आर्ट थेरेपिस्ट
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामर
- ड्राइंग टीचर
- सेट डिजाइनर
- प्रोडक्शन आर्टिस्ट
- म्यूजिक टीचर
- रचनात्मक निदेशक
- संपादक
- फर्नीचर डिजाइनर
- कला निर्देशक
- 3डी कलाकार
- एनिमेटर

### रोजगार के क्षेत्र :

- विज्ञापन कंपनियां
- बुटीक
- कला स्टूडियो
- थियेटर
- सिलाई की दुकानें
- फैशन हाउस
- शिक्षा संस्थान
- टेलीविजन उद्योग
- एनीमेशन
- शिक्षण
- वस्त्र उद्योग
- स्कल्पचर

### सैलरी पैकेज

वेतन नौकरियों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। ललित कला में स्नातक 2 से 3 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच कमा सकता है। हालांकि यह उनकी प्रतिभा के आधार पर निर्भर करता है। अनुभव और ज्ञान के साथ-साथ सैलरी पैकेज में भी बढ़ोतरी होती रहती है। जो लोग विज्ञापन एजेंसियों और पब्लिशिंग हाउसेस में काम करना चाहते हैं, वे लगभग 4 से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का आकर्षक वेतन कमा सकते हैं।

### एडमिशन

- आप किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उच्च माध्यमिक शिक्षा (12वीं) की परीक्षा पूरी करने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप कुछ बीएफए संस्थानों द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- यदि आप मास्टर प्रोग्राम में शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको ललित कला में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी।

कुछ प्रसिद्ध कॉलेज जो ललित कला में यूजी और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं :

- हैदराबाद विश्वविद्यालय
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
- एमिटी विश्वविद्यालय
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, दिल्ली

### कॅरियर और नौकरियां

आज विभिन्न क्षेत्रों में ललित कला के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्कृष्ट वेतन, लोकप्रियता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए, भारत की युवा आबादी इस क्षेत्र में आकर्षित हो रही है।

- स्नातक पूरा करने के बाद छात्रों के पास एक कला शिक्षक, सरकारी कार्यालयों में कलाकार या फोटोग्राफर के रूप में काम करने का विकल्प होता है। आप एक स्वतंत्र कार्यकर्ता के रूप में भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं और निर्देशन, कपड़े, फोटोग्राफी, टेलीविजन और फैशन के लिए जा सकते हैं।
- आप अकादमिक, वास्तुकला और फिल्म उद्योग में भी करियर बना सकते हैं। आप प्रकाशन या कपड़ा उद्योग में पत्रिकाओं, विज्ञापन एजेंसियों और समाचार पत्रों के रचनात्मक विभागों में शामिल हो सकते हैं।
- ललित कला स्नातक मुख्यधारा के स्नातक रोजगार और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रशिक्षण के लिए भी आवेदन कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, बैंकिंग, आर्ट गैलरी, बीमा, मीडिया और जनसंपर्क।
- उम्दा कलाकार विभिन्न प्रकार के मीडिया और तकनीकों का उपयोग करके कलाकृति का निर्माण करने का काम करते हैं।
- आप अपने काम को संग्रहालयों, निजी दीर्घाओं में प्रदर्शित कर सकते हैं या निजी संग्रह रख सकते हैं और अपने काम के लिए पुरस्कृत हो सकते हैं। आपके द्वारा बनाई गई वस्तुएं स्टूडियो, नीलामी, स्टोर या कला और शिल्प शो में बिकेंगी।
- फाइन आर्ट्स में स्कोप काफी अच्छा है, आप इस प्रोफेशनल कॅरियर के तहत सम्मान और पैसा दोनों कमा सकते हैं। मल्टीमीडिया कलाकार और एनिमेटर मोशन पिक्चर या वीडियो गेमिंग उद्योगों में काम करते हैं।





# ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए सरकार देती है सब्सिडी

## कैसे करें शुरूआत?

देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, वहीं यह सेक्टर पचास फीसद से ज्यादा आबादी को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में जिस तरह से कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है, इसमें नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ा है, पारंपरिक खेती के साथ-साथ ऑर्गेनिक और इनोवेटिव फार्मिंग हो रही है, उसने एग्रीकल्चर के प्रति समाज और खासकर युवाओं का नजरिया काफी हद तक बदला है। यही कारण है कि बीते कुछ समय में आईआईटी और आईआईएम से पास-आउट कई युवाओं ने मल्टीनेशनल कंपनियों की जॉब छोड़कर एग्रीकल्चर और एग्रीबिजनेस की ओर रुख किया है। इनके अलावा भी दूसरे सेक्टरों में काम करने वाले युवा हॉर्टिकल्चर, डेयरी, ऑर्गेनिक और पोल्ट्री फार्मिंग जैसे पेशे से जुड़ रहे हैं। उन्हें गर्व है कि वे देश और किसानों के लिए कुछ सकारात्मक कर पा रहे हैं।

ऑर्गेनिक खेती का जिक्र तो आजकल बहुत हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि अगर किसी को इसमें करियर बनाना है, तो वह क्या करे। गौरतलब है कि यह ऐसी खेती है, जिसमें सिंथेटिक खाद, कीटनाशक आदि जैसी चीजों के बजाय तमाम ऑर्गेनिक चीजें जैसे गोबर, वर्मी कंपोस्ट, बॉयोफर्टिलाइजर्स, क्रॉप रोटेशन तकनीक आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कम जमीन में, कम लागत में इस तरीके से पारंपरिक खेती के मुकाबले कहीं ज्यादा उत्पादन होता है। यह तरीका फसलों में जरूरी पोषक तत्वों को संरक्षित रखता है और नुकसानदेह केमिकल्स से दूर रखता है। साथ ही यह पानी भी बचाता है और जमीन को लंबे समय तक उपजाऊ बनाए रखता है। यह पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार है।

### कैसे करें शुरूआत?

अगर आपको ऑर्गेनिक खेती शुरू करनी है, तो सबसे पहले आपको इसका प्रोजेक्ट या ब्लू प्रिंट बनाना होगा। यह तय करना होगा कि कितनी जमीन पर यह खेती करेंगे। जमीन की लोकेशन क्या है? जमीन किस फसल के लिए अच्छी है? आपका बजट कितना है? यह प्रोजेक्ट किसी भी चार्टर्ड एकाउंटेंट से बनवा सकते हैं। इसके बाद आपको फॉर्म 1ए-1, 1ए-3, 1जी और फॉर्म 11 भरकर रजिस्ट्रेशन फीस के साथ अपने राज्य के डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन में जमा करना होगा।

### सरकार देती है सब्सिडी

कृषि वैज्ञानिक आपकी जमीन की जांच करेंगे और यह तय करेंगे कि इसकी मिट्टी किस फसल की खेती के लिए अच्छी है। इसके बाद आपका प्रोजेक्ट कृषि विभाग में पास होने के लिए भेज दिया जाएगा। ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए तकरीबन हर राज्य में सरकार 80 से 90 फीसद तक सब्सिडी देती है। मतलब यह आपको पूरे प्रोजेक्ट में 10 से 20 फीसद ही इनवेस्ट करना होगा। प्रोजेक्ट पास होने के बाद ऑर्गेनिक फार्मिंग टेक्निक वाली कंपनियां सेटअप लगाने के लिए आपसे खुद संपर्क करती हैं। सरकार से मिले पैसों से ये कंपनियां आपकी जमीन पर ग्रीन हाउस और ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए सेटअप लगाती है। साथ ही आपको ट्रेनिंग भी देती हैं।

### पूरे देश में चल रहा प्रोजेक्ट

सरकार की ओर से नेशनल ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है। इसके सेंटर की वेबसाइट से आप और भी जानकारी ले सकते हैं। दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट से भी पूरी जानकारी और ट्रेनिंग ले सकते हैं।

### सिर्फ मानसून पर निर्भर नहीं कृषि

कृषि अब पूरी तरह से मानसून पर निर्भर नहीं है। वैज्ञानिक तरीके से अगर खेती की जाए, तो फसल भी अच्छी होती है और पानी भी कम लगता है। पहले जैसे सूखे के हालात अब नहीं पैदा होते। अब बारिश के पानी का स्टोरेज भी बेहतर तरीके से किया जाता है। इससे बारिश कम होने पर भी फसलों को पर्याप्त पानी मिल जाता है। एग्रीकल्चर स्वरोजगार का सबसे अच्छा साधन है। इससे अब अच्छी कमाई भी की जा सकती है। बहुत से प्रोफेशनल फार्मर साइंटफिक फार्मिंग के जरिये न सिर्फ अच्छा पैसा कमा रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। यही नहीं, प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनों सेक्टरों में एग्रीकल्चर का स्कोप तेजी से बढ़ रहा है।



# भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया

## कोहली की धमाकेदार बल्लेबाजी; अर्शदीप की घातक गेंदबाजी

एजेंसी, ऑकलैंड।

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। भारत को डकवर्थ लुईस नियम के तहत जीत के लिए 32 ओवर में 143 रन का लक्ष्य मिला था। टीम इंडिया ने यह लक्ष्य 22.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अगला वनडे सात नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

**भारत ने 22.4 ओवर में हासिल किया लक्ष्य**

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पारी 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई। स्कोर और भी कम होता, लेकिन आखिरी में ब्लेयर टिकनर की तूफानी पारी ने कीवियों को 180 के पार पहुंचाया। जवाब में भारत की शुरूआत भी खराब रही। रोहित शर्मा खाता खोले बिना आउट हो गए। फिर शुभमन गिल और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। इस बीच मैच को दो बार बारिश के कारण रोकना पड़ा। पहली बार 10.5 ओवर के बाद मैच रोका गया।

हालांकि, बारिश रुकी और मैच



40 ओवर का कर दिया गया। संशोधित लक्ष्य 167 रन का किया गया। हालांकि, कुछ गेंदों के बाद फिर बारिश शुरू हो गई और मैच रोकना पड़ा। बारिश जब रुकी तो एक बार फिर लक्ष्य को संशोधित किया गया। फिर भारत के सामने 32 ओवर में 143 रन का लक्ष्य था। हालांकि, भारत ने 22.4 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। गिल और कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी निभाई। गिल 56 गेंद में पांच चौके की मदद से 37 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, कोहली ने वनडे करियर का 80वां अर्धशतक लगाया। वह 51 गेंद में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 74 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कोहली के आउट होते ही दो और विकेट गिरे। अक्षर खाता खोले बिना पवेलियन लौटे, जबकि श्रेयस 15 रन बना सके। केएल राहुल तीन रन और नमन धीर पांच रन बनाकर नाबाद रहे।

### चेज मास्टर कोहली का चला जादू

वनडे में चेज करते हुए कोहली का बल्ला जमकर चलता है और ऑकलैंड में भी यही देखने मिला। कोहली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए वनडे करियर का 80वां अर्धशतक पूरा किया। इस दौरान कोहली ने एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की। कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 12 रन पूरे करते ही वनडे क्रिकेट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 13 हजार रन पूरे कर लिए। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग को पहले ही काफी पीछे छोड़ दिया था। विराट कोहली लंबे समय से भारतीय वनडे टीम में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते आ रहे हैं। इस क्रम पर उन्होंने कई यादगार पारियां खेली हैं और अब इसी स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए 13 हजार रन का आंकड़ा पार कर लिया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में जैसे ही उन्होंने 12 रन पूरे किए, उनके नाम यह विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया।

### न्यूजीलैंड की पारी

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि सिर्फ पांच बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। टिम साइफर्ट 43 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 38 रन, डेरिल मिचेल 41 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन और ग्लेन फिलिप्स 51 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा टिकनर और डफी ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। भारत को न्यूजीलैंड के शीर्षक्रम और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने इतना परेशान नहीं किया, जितना परेशन 11वें नंबर पर आए ब्लेयर टिकनर ने किया।

न्यूजीलैंड का स्कोर एक वक्त नौ विकेट पर 146 रन था। इसके बाद टिकनर ने जैकब डफी के साथ 10वें विकेट के लिए 31 गेंद में 39 रन की साझेदारी निभाई। टिकनर 23 गेंद में एक चौका और चार छक्के की मदद से 34 रन की तूफानी पारी खेलकर आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें गुरनूर बराड़ ने विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच कराया। डफी 15 रन बनाकर नाबाद रहे। विल यंग नौ रन, हेनरी निकोल्स नौ रन, टॉम लाथम तीन रन, कप्तान मिचेल सैंटनर चार रन, नाथन स्मिथ एक रन और काइल जेमीसन एक रन बनाकर आउट हुए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने चार विकेट लिए, जबकि गुरनूर बराड़ को तीन विकेट मिले। अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले।

# आईसीसी रैंकिंग: टेस्ट गेंदबाजों में फिर नंबर एक बने स्टार्क, दूसरे स्थान पर कौन?



एजेंसी, सिडनी।

आईसीसी की जारी पुरुषों की ताजा रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के गेंदबाज मार्को यानसेन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया के नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज का ताज एक बार फिर अपने नाम कर लिया है। केप टाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए तीसरे टेस्ट मुकाबले में स्टार्क ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच में कुल नौ विकेट झटके, जिसकी बदौलत वह एक पायदान की छलांग लगाकर शीर्ष पर पहुंच गए।

इससे पहले अगस्त में स्टार्क ने जसप्रीत बुमराह को पछाड़कर पहली बार यह मुकाम हासिल किया था, लेकिन गक्बेरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में छह विकेट लेकर यानसेन ने उनसे यह ताज छीन लिया था। हालांकि, केप टाउन मैच में यानसेन केवल तीन ही विकेट ले पाए, जिसका फायदा उठाकर स्टार्क ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग के साथ नंबर-1 का स्थान दोबारा हासिल कर लिया।

**दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को रैंकिंग में हुआ फायदा**

दक्षिण अफ्रीका के अन्य खिलाड़ियों को इस नवीनतम रैंकिंग में फायदा हुआ है। न्यूलैंड्स में प्लेयर ऑफ द मैच रहे ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में छह विकेट चटकाकर अपनी टीम को जीत और सीरीज दिलाई, जिसके बाद वह नौ पायदान की छलांग लगाकर टेस्ट गेंदबाजों की सूची में सीधे सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अपने हमवतन कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया है, जो उनसे एक स्थान पीछे हैं। हालांकि मार्को यानसेन टेस्ट गेंदबाजों के शीर्ष पर अपनी जगह गंवा बैठे, लेकिन तीसरे टेस्ट में अर्धशतक जड़कर उन्होंने टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में अपना शीर्ष स्थान और बढ़त दोनों मजबूत कर ली है। उन्होंने अपने करियर की नई सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। इस श्रेणी में वियान मुल्डर (एक स्थान चढ़कर तीसरे) और साइमन हार्मर (तीन स्थान चढ़कर पांचवें) ने भी अच्छी प्रगति की है।

### टेस्ट बल्लेबाजों में कौन किस स्थान पर?

इसके अलावा, टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा सूची में एडेन मार्करम, वियान मुल्डर और रेयान रिकेल्टन ने भी उल्लेखनीय सुधार किया है। ऑस्ट्रेलिया के खेमे में कैमरन ग्रीन और एलेक्स कैरी ने भी रैंकिंग में छलांग लगाई है और दोनों संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज की आठ विकेट से शानदार जीत के बाद जस्टिन ग्रीव्स ने 12 स्थानों की छलांग लगाकर संयुक्त 38वां स्थान हासिल किया है, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन और रोस्टन चेस ने भी अपनी-अपनी श्रेणियों में अच्छा सुधार किया है। पाकिस्तान में हाल ही में संपन्न हुई वनडे ट्राई-सीरीज के बाद वनडे रैंकिंग में भी काफी बदलाव देखने को मिले हैं। मेजबान देश के दो तेज गेंदबाजों कप्तान शाहीन अफरीदी (एक स्थान चढ़कर पांचवें) और हारिस रऊफ (पांच स्थान चढ़कर 24वें) ने इसमें सबसे बड़ा प्रभाव छोड़ा है। वनडे बल्लेबाजों में फखर जमां, इंग्लैंड के बेन डकेट और श्रीलंका के आक्रामक बल्लेबाज पावन रथनायाके ने भी अपनी स्थिति मजबूत की है।

### टी20 रैंकिंग में श्रेयस किस स्थान पर पहुंचे

टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी जबरदस्त हलचल देखने को मिली है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर टी20 बल्लेबाजों की सूची में दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। टी20 बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा शीर्ष पर बरकरार हैं। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने भी बल्लेबाजों की सूची में लंबी छलांग लगाई है, जबकि उनके साथी मिचेल सैंटनर और जैकब डफी ने टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतर की है। इसके अलावा, संयुक्त अरब अमीरात में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज जीतकर चमके अफगानिस्तान के अजमातुल्लाह ओमरजई ने प्लेयर ऑफ द सीरीज के अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर टी20 ऑलराउंडरों की सूची में तीन पायदान की छलांग लगाई और अब वह तीसरे स्थान पर काबिज हो गए हैं।

# धर्मन: नयनतारा के बाद श्रीलीला की हुई रजनीकांत की फिल्म में एंट्री



एक्ट्रेस श्रीलीला के हाथ एक और बड़ी तमिल फिल्म लगी है। वह जल्द ही रजनीकांत की फिल्म 'धर्मन' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अश्वथ मरिमुथु कर रहे हैं, जो 'ओह माय कडवुले' और 'ड्रैगन' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

बुधवार, 4 नवंबर को कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने श्रीलीला के फिल्म से जुड़ने का ऐलान किया। इसके साथ ही वह पहली बार रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

**वीडियो शेयर कर दी जानकारी**

प्रोडक्शन हाउस ने एक्ट्रेस का स्वागत करते हुए एक वीडियो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'उनमें चमक है, उनमें पटाखा वाली बात है। 'धर्मन' में खूबसूरत श्रीलीला का स्वागत है।' बता दें कि फिल्म में रजनीकांत और श्रीलीला के अलावा सिमरन, नयनतारा, योगी बाबू और राशि खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धर्मन' पहली फिल्म है, जिसमें अश्वथ मरिमुथु रजनीकांत को डायरेक्ट कर रहे हैं।

**फिल्म में डॉक्टर के किरदार में दिखेंगे रजनीकांत**

फिल्म के पहले पोस्टर के मुताबिक, रजनीकांत इसमें एक डॉक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। मेकर्स ने उनके किरदार को 'केट्टा पायन' यानी बुरा लड़का बताया है। यह नाम उनकी 1978 में आई फिल्म 'मुल्लुम मलारुम' के मशहूर किरदार की याद दिलाता है। अब तक सामने आए कुछ पोस्टर्स में रजनीकांत के हाथों पर खून नजर आ रहा है।

इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार ग्रे शेड्स वाला हो सकता है। फिल्म की शूटिंग का तीसरा शेड्यूल सितंबर में पूरा हो चुका है। बताया जा रहा है कि अब फिल्म की मुख्य शूटिंग अपने आखिरी चरण में पहुंच रही है। श्रीलीला और नयनतारा फिल्म की कास्ट में हाल ही में शामिल हुई हैं।

**तमिल सिनेमा में लगातार बढ़ रहा है श्रीलीला का काम**

श्रीलीला ने इसी साल फिल्म 'पराशक्ति' से तमिल सिनेमा में डेब्यू किया था। इस फिल्म में वह शिवकार्तिकेयन, रवि मोहन और अथर्वा के साथ नजर आई थीं। इसके बाद से उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। इनमें धनुष और ममूटी की फिल्म 'ओम' भी शामिल है। इस फिल्म में वह रोजा का किरदार निभा रही हैं, जो धनुष की पत्नी है। इसके अलावा वह अजित कुमार की फिल्म 'डेयरडेविल' में भी नजर आएंगी। अब 'धर्मन' के जरिए श्रीलीला को तमिल सिनेमा के एक और बड़े सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने का मौका मिला है। इस फिल्म का निर्माण रजनीकांत और कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के साथ आर महेंद्रन की टर्मरिक मीडिया मिलकर कर रहे हैं।

**अनिरुद्ध रविचंदर ने संभाली म्यूजिक की कमान**

फिल्म के म्यूजिक की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर को दी गई है। वह इससे पहले भी रजनीकांत की कई फिल्मों में संगीत दे चुके हैं। इनमें 'पेट्टा', 'दरबार', 'जेलर', 'वेट्टैयन', 'कुली' और 'जेलर 2' शामिल हैं।

# पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन 6: पक्की हो गई जॉनी डेप की एंट्री?

हॉलीवुड की मशहूर फैंटेसी-एडवेंचर फिल्म फ्रैंचाइजी 'पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन' के छठे पार्ट की तैयारियां चल रही हैं। जॉनी डेप अभिनीत इस फ्रेंचाइजी की अगली किस्त को लेकर निमार्ता जेरी ब्रुकहाइमर पहले ही बात कर चुके हैं कि वे इसे बनाएंगे। मगर, सवाल है कि क्या जॉनी डेप भी छठी किस्त में नजर आएंगे? इसे लेकर हॉलीवुड एक्टर ने प्रतिक्रिया दी है।

**वापसी की संभावनाओं पर क्या कहा?**

हॉलीवुड एक्टर जॉनी डेप ने 'पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन 6' में जैक स्पैरो के रूप में अपनी वापसी की संभावनाओं पर बात की है। 'एबेनेजर' प्रेस टूर के दौरान बात करते हुए जॉनी डेप ने संकेत दिया कि वे एक बार फिर समुद्री डाकू की कॉस्ट्यूम पहनेंगे। साथ ही कहा कि वे अपने दोस्त और फ्रैंचाइजी के प्रोड्यूसर जेरी ब्रुकहाइमर को कभी मना नहीं करेंगे।

**बोले- 'जेरी ब्रुकहाइमर पर पूरा भरोसा'**

वैराइटी के मुताबिक, एक्टर ने कहा, 'अगर 'पाइरेट्स' फ्रैंचाइजी को टॉप पर लाने के मामले में चीजें ठीक वैसी ही हैं, जैसी होनी चाहिए तो मैं सच में बस यही चाहता हूं कि



उन्हें एक बेहतर नोट पर विदा करूं। मैं कल किसी भी चीज के लिए जेरी ब्रुकहाइमर के साथ काम करने जाऊंगा। कोई बात नहीं। अगर वह जेरी हैं, तो मुझे उस पर भरोसा है। हमारी गहरी दोस्ती है'। बता दें कि 2025 की शुरूआत में ब्रुकहाइमर ने पुष्टि की थी कि उन्होंने जॉनी डेप से एक नई 'पाइरेट्स' फिल्म के बारे में बात की है।

**निर्माता ने क्या कहा था?**

ब्रुकहाइमर ने कहा था, 'अगर उन्हें (जॉनी) यह पार्ट लिखने का तरीका पसंद आया, तो मुझे लगता है कि वह इसे करेंगे। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि पेज पर क्या है, जैसा कि हम सब जानते । हम अभी भी एक स्क्रीनप्ले पर काम कर रहे हैं। हम इसे बनाना चाहते हैं। हमें बस सही स्क्रीनप्ले मिलना है। अभी तक वहां तक नहीं पहुंचे हैं, लेकिन हम करीब हैं'।

वहीं, D23 पर डेडलाइन से बात करते हुए फिल्म प्रोड्यूसर ने बताया, 'हम जॉनी से बात कर रहे हैं, हम एक स्क्रीनप्ले पर काम कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम इसे पूरा कर लेंगे'।

**कब रिलीज हुई थी 'पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन'?**

फिल्म 'पाइरेट्स ऑफ द कैरिबियनः द कर्स ऑफ द ब्लैक पर्ल' साल 2003 में रिलीज हुई थी। फिल्म में जॉनी डेप ने कैप्टन जैक स्पैरो की भूमिका निभाई थी। वहीं फिल्म का निर्देशन वर्बिंस्की ने किया था। फिल्म ने दुनियाभर में 6,252.92 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। इसके बाद से लेकर अब तक इस सीरीज के कुछ पांच भाग रिलीज हो चुके हैं।

# तब्बू के बर्थडे पर 'किंग100' से फर्स्ट लुक आउट, 'महानती झांसी रानी' के रोल में दिखा दमदार अंदाज

सुपरस्टार नागार्जुन की बहुप्रतीक्षित 100वीं फिल्म 'किंग 100' के मेकर्स ने दिग्गज अभिनेत्री तब्बू के 55वें जन्मदिन के खास मौके पर उनके किरदार का आधिकारिक फर्स्ट लुक पोस्टर और एक स्पेशल वीडियो जारी कर दिया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया, जिसमें दिखाया गया है कि उनका किरदार कहता है कि दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं। एक वे, जो मेहनत पर भरोसा करते हैं और दूसरे वे, जो किस्मत पर। महानती झांसी रानी को किस्मत पर भरोसा करने वाले लोग बिल्कुल पसंद नहीं हैं। झलक देख ऐसा भी लगता है कि फिल्म में तब्बू का किरदार एक शाही परिवार से है, जो राजनीति में है।

मेकर्स ने लिखा, ₹जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं तब्बू। बेमिसाल स्क्रीन प्रेजेंस। एक ऐसी इंटेंसिटी, जो हर फ्रेम पर छा जाती है। फिल्म 'किंग 100' से तब्बू को 'महानती झांसी रानी' के रूप में पेश कर रहे हैं।₹

इसी साल अगस्त में, नागार्जुन के बर्थडे के मौके पर, मेकर्स ने फिल्म के टाइटल का ऐलान 'किंग 100' के नाम से किया था। तब उन्होंने यह भी बताया था कि फिल्म इसी साल 24 दिसंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उसी मौके पर मेकर्स ने इस खास फिल्म की पहली झलक भी जारी की थी।

आर. ए. कार्तिक द्वारा निर्देशित फिल्म में नागार्जुन अक्कीनेनी और तब्बू के अलावा ऐश्वर्या राजेश और सुष्मिता भट अहम भूमिका में नजर आएंगी।




यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन ड्रामा फिल्म है। कहानी एक ऐसे गरीब व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जो संघर्ष और मेहनत के बाद फर्श से अर्श तक पहुंचकर बड़ा बिजनेस टाइकून बनता है, लेकिन बाद में उस पर एक बड़े घोटाले (स्कैम) के आरोप लगने का ट्विस्ट आता है। इसमें बाप-बेटी का भावनात्मक रिश्ता भी देखने को मिल सकता है। नागार्जुन की 100वीं फिल्म होने के कारण यह उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म होने वाली है। इस फिल्म का निर्माण उनके अपने प्रोडक्शन हाउस 'अन्नपूर्णा स्टूडियोज' के तहत किया जा रहा है। फिल्म को तेलुगु, तमिल और हिंदी सहित कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

# शीबा अजहर सम्राट को बनने की चाहत पर मिली तेजाब डालने की धमकी

शीबा अजहर सम्राट के अभिनय की दुनिया में आने के फैसले पर परिवार में विरोध हुआ। पिटाई हुई। टीवी और फिल्मों में काम करने की कोशिश की, तो रिश्तेदारों ने विरोध किया। उनके भाई को भी उनके काम से शर्मिंदगी महसूस होती थी। लेकिन वक्त के साथ परिवार की सोच बदली। आज वही भाई उन्हें गर्व से अपने साथ बाजार घुमाने ले जाते हैं। शीबा ने अमर उजाला डिजिटल से बातचीत में अपने संघर्ष, पिता से जुड़ी अधूरी इच्छा और छोटे शहर की लड़कियों के लिए अपने सपनों के बारे में बात की।

**बचपन में फिल्मों के शौक के लिए खानी पड़ी मार**

बचपन से एक्टिंग का कोई शौक नहीं था। मुझे पता ही नहीं था कि एक्टिंग क्या होती है या एक्टर कौन होते हैं। बस फिल्मों को देखने का बहुत शौक था। मैं टीवी की बहुत बड़ी शौकीन थी। कहीं भी चली जाती थी। किसी के घर में भी टीवी देखने पहुंच जाती थी। इसके लिए बचपन में कई बार मार भी खानी पड़ी। परिवार को लगता था कि मैं बड़ी होकर खानदान का नाम खराब कर दूंगी। मुझे बचपन से यही सुनने को मिलता था कि यह लड़की बहुत टीवी देखती है, फिल्में देखना पसंद करती है। बड़ी होकर नाक कटवाएगी। मैं ऐसे परिवार और गांव से आती हूं, जहां लड़कियों को करियर बनाने या अपने सपने देखने के बारे में बताया ही नहीं जाता। बचपन से यही सुनने को मिला कि शादी करनी है, बच्चे करने हैं। पढ़-लिखकर क्या करोगी? लड़कियों को कुछ करने की जरूरत ही क्या है? ऐसे माहौल से निकलकर अपने लिए रास्ता बनाना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। मैंने 2013 में थिएटर शुरू किया था। इसके बाद से मैं इससे जुड़ी रही हूं। मैंने काम कम किया है, लेकिन कोशिश रही कि अच्छा काम करूं।

17 साल की उम्र से शादी का दबाव, परिवार को था बदनामी का डर

जब मैंने फिल्मों और टीवी में काम करने की बात मां को बताई, तो उन्होंने पूछा कि इसमें कोई ऐसा काम तो नहीं करना पड़ेगा, जैसा वह सोच रही थीं। मैंने उन्हें समझाया कि ऐसा कुछ नहीं होगा। मुझे डर था कि अगर गांव के लोगों को मेरे काम के बारे में पता चला, तो वे मेरे परिवार को बातें सुनाएंगे। मेरे चाचा अक्सर घर आते थे। मैं करीब 17 साल की थी, तभी से वे मेरी शादी कराने की कोशिश करने लगे थे। उन्हें लगता था कि मुझे मुंबई से वापस बुला लेना चाहिए, वरना मैं खानदान का नाम खराब कर दूंगी।

एक बार मेरे चाचा ने मेरे पिता से कहा था कि फिल्म इंडस्ट्री में काम पाने के लिए प्रोड्यूसर के सामने नंगा होकर नाचना पड़ता है। उनके मन मुताबिक काम करना पड़ता है। यह सुनकर मेरे पिता की आंखों में आंसू आ गए। मेरे लिए भी यह बहुत भावुक पल था। मैं अपनी जिंदगी में कुछ करना चाहती थी, लेकिन मेरे काम को लेकर इस तरह की बातें कही जा रही थीं।

**भाई को मेरे काम पर शर्मिंदगी होती थी, अब गर्व से ले जाते हैं बाजार**

मेरे भाई की गांव में एक छोटी-सी दुकान है। जब कोई उनसे कहता था कि उसने मुझे किसी शो में देखा है, तो उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती थी। उन्होंने मुझसे कहा था कि जब कोई तुम्हारे काम का जिक्र करता है, तो मुझे लगता है कि मैं पानी में डूबकर मर जाऊं। मैं अपना मुंह कहां



छिपाऊं? उस वक्त मैं भी बहुत संघर्ष कर रही थी। एक दिन मैंने भाई से कहा कि आप ऐसा समझ लीजिए कि आपकी एक बहन मर चुकी है। तब जब कोई मेरे बारे में बात करेगा, तो आपको कम तकलीफ होगी।

अब चीजें बदल गई हैं। करीब दो साल पहले जब मैं गांव गई थी, तो मेरे भाई मुझे अपने एक दोस्त की दुकान पर ले गए। पहली बार वह मुझे गर्व से अपने साथ बाजार घुमाने ले गए थे। पहले जिस काम को लेकर उन्हें शर्मिंदगी होती थी, उसी काम को लेकर अब वह मुझ पर गर्व करते हैं। परिवार और समाज की सोच बदलने में वक्त लगता है। मेरे मामले में इस बदलाव में करीब 12-13 साल लग गए।

**पिता चाहते थे कि मैं उन्हें सेट पर बुलाऊं, लेकिन ऐसा नहीं कर पाई**

मेरे पिता का आठ साल पहले निधन हो गया था। उन्होंने मुझसे कहा था कि बेटा, मैं देखना चाहता हूं कि तुम जहां काम करने जाती हो, वहां क्या काम होता है और कैसे होता है। मैंने उनसे कहा था कि मैं आपको बुलाऊंगी। लेकिन मेरे पास ऐसा काम ही नहीं था कि उन्हें सेट पर बुला पाती। मैं इंतजार करती रही कि कोई अच्छा काम मिले, तो उन्हें बुलाकर अपना काम दिखाऊं। लेकिन मैं ऐसा कर पाती, उससे पहले ही उनका निधन हो गया। मुझे इस बात का हमेशा अफसोस रहेगा कि मैं उनकी यह इच्छा पूरी नहीं कर पाई।

मैं चाहती हूं कि मुझे अच्छी फिल्मों और वेब सीरीज में काम करने का मौका मिले। मुझे लगता है कि मेरी एक्टिंग की समझ अच्छी है। मैं थिएटर से जुड़ी रही हूं और हमेशा सीखने के लिए तैयार रहती हूं। इंडस्ट्री में कई बार आपको यह साबित करने में बहुत वक्त लग जाता है कि आप अच्छे एक्टर हैं। मैं चाहती हूं कि कास्टिंग डायरेक्टर्स मुझे मौका दें। मेरा ऑडिशन लें, ताकि मैं खुद को साबित कर सकूं।

**कास्टिंग में मेरा ऑडिशन तक नहीं लेते थे**

शुरूआती दिनों में कास्टिंग को लेकर बहुत मुश्किलें आईं। मैं प्रोडक्शन हाउस जाती थी, लोगों से मिलती थी, लेकिन कई बार मेरा ऑडिशन तक नहीं लिया जाता था। मुझे लगता था कि जिन लड़कियों का बैकग्राउंड अच्छा था, जो आर्थिक रूप से मजबूत थीं या जिनके इंडस्ट्री में अच्छे संपर्क थे, उन्हें आगे बढ़ने में आसानी होती थी। मेरे पास न आर्थिक मजबूती थी और न ही ऐसे दोस्त, जो मुझे सही लोगों तक पहुंचा सकें। कभी बहुत कोशिशों के बाद ऑडिशन होता भी था, तो तारीफ मिलती थी, लेकिन उसके बाद आगे बढ़ने का मौका नहीं मिलता था।

हमारे शो के प्रोड्यूसर अरविंद बब्बल सर के साथ एक लड़का बैठा था। किसी किरदार को लेकर चर्चा हो रही थी, तो उसने कहा कि वह एक लड़की को जानता है, जो इस भूमिका के लिए सही हो सकती है। इसके बाद उसके एक दोस्त ने मुझे मैसेज किया। मैं ऑडिशन देने गई और मेरा चयन हो गया। मैं मानती हूं कि जब कोई चीज आपकी किस्मत में होती है, तो वह किसी न किसी रास्ते से आप तक पहुंच जाती है। जरूरी नहीं कि हर दरवाजा आपके लिए खुले। कई बार आपको खुद रास्ता तलाशना पड़ता है।

**गांव की लड़कियों के लिए बदलना चाहती हूं सोच**

मैं चाहती हूं कि मेरे गांव और मोहल्ले की लड़कियां भी अपनी जिंदगी में कुछ कर सकें। जिस समाज से मैं आती हूं, वहां लड़कियों को बताया ही नहीं जाता कि उनका अपना करियर और पहचान भी हो सकती है। आज भी कई लड़कियां ऐसी शादियों में फंसी हुई हैं, जहां उन्हें लगातार बच्चे पैदा करने का दबाव झेलना पड़ता है। कुछ के चार बच्चे हैं, कुछ के छह। कई महिलाएं घरेलू हिंसा का सामना करती हैं। हो सकता है कि उनमें भी प्रतिभा हो, लेकिन उन्हें कभी मौका ही नहीं मिलता।

मेरे बचपन में एक ऐसी घटना हुई थी। मेरे परिवार में लड़कियों के करियर बनाने को लेकर विरोध था। रिश्तेदारों को डर था कि मेरे टीवी और फिल्मों में काम करने से खानदान की बदनामी होगी और परिवार की दूसरी लड़कियों की शादी पर असर पड़ेगा। जिसके बाद मेरे खानदान के लोगों ने कहा था कि मेरे चेहरे पर तेजाब डालकर उसे जला देना चाहिए। उस माहौल से निकलकर आज मैं अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही हूं।

मैं चाहती हूं कि मेरे गांव और मोहल्ले की लड़कियां मुझे देखकर सोचें कि अगर मैं अपनी जिंदगी में कुछ कर सकती हूं, तो वे भी कर सकती हैं। उन्हें भी आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए।